INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक

यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
DAVP-: 134220

Sweety
BY
MR GROUP
Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-3 | अंक-36 | मथुरा, बुधवार, 2 अप्रैल 2025 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

सचखंड एक्सप्रेस में सीट को लेकर हुआ झगड़ा

हंगामा : सरदारों ने यात्री पर कृपाण से किया हमला

मथुरा जंक्शन पर सरदारों से बात करते पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी।

कृपाण के हमले से घायल यात्री।

स्टेशन पर यात्रियों में मची अफरा-तफरी

प्लेटफॉर्म पर भारी संख्या में आरपीएफ व जीआरपी पहुंची

घायल हॉस्पिटल में भर्ती, हालत खतरे से बाहर

जीआरपी ने चार सरदारों को लिया हिरासत में

ट्रेन करीब 36 मिनट देरी से हुई रवाना

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। सचखंड एक्सप्रेस में जनरल कोच में सीट को लेकर हुए विवाद में सरदारों ने एक युवक को मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर कृपाण मारकर बुरी तरह से घायल कर दिया। इसके साथ ही मारपीट में एक हमलावर भी चुटैल हो गए। घटना के कारण स्टेशन पर हड़कंप मच गया। सरदारों के साथ यात्रा करते उनके साथियों ने जमकर हंगामा किया। इसके चलते सचखंड एक्सप्रेस करीब डेढ़ घंटे स्टेशन पर खड़ी रही।

घायल को एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। चार सरदारों को जीआरपी ने हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार सरदार हुजूरी साहब की यात्रा करके सचखंड एक्सप्रेस से पंजाब के लिए यात्रा कर रहे थे। आगरा स्टेशन पर ट्रेन के रुकने के बाद वहां से प्रवीण पुत्र इंद्रजीत निवासी अभयपुरा थाना मल्लपुरा आगरा भी ट्रेन में आगे की तरफ लगे जनरल कोच संख्या 247330 में सवार हो गया। कोच में पहले से यात्रा कर रहे सरदारों की सीट को लेकर प्रवीण की कहासुनी हो गई। मथुरा जंक्शन पर ट्रेन के प्लेटफार्म संख्या दो पर आने के बाद जैसे ही ट्रेन रुकी। प्रवीण ट्रेन से प्लेटफॉर्म पर उतरा उसके साथ ही जिन लोगों के साथ झगड़ा हुआ था वह चार सरदार भी नीचे उतर गए। इसके बाद ही मारपीट शुरू हो गई। सरदारों ने कृपाण निकाल कर प्रवीण पर प्राणघातक हमला कर दिया। इसे देख कर प्लेटफॉर्म में यात्रियों में हड़कंप मच गया। काफी देर हुए हंगामे का पता लगने पर आरपीएफ के इंस्पेक्टर अवधेश गोस्वामी, इंस्पेक्टर यादराम सिंह पुलिस फोर्स के साथ प्लेट फॉर्म नंबर दो की ओर दौड़ पड़े। मौके पर आरपीएफ और जीआरपी ने घायल को उठा कर हॉस्पिटल पहुंचाया। इसके साथ मारपीट कर रहे सरदारों को पकड़ कर ट्रेन से उतारने लगे। ट्रेन में सफर कर रहे सरदारों के साथियों को इसका पता लगा तो उन्होंने भी हंगामा किया। इसके चलते मथुरा जंक्शन पर आई सचखंड एक्सप्रेस के 12.40 पर आने के बाद भी स्टेशन से 13.16 पर काफी देर से रवाना हुई। पुलिस ने इस मामले में सरदार गुरूदेव सिंह निवासी रामतीर्थ कोटला डूम जिला अमृतसर पंजाब, गुरुराज सिंह निवासी ग्राम चुबला थाना चुबला जिला तरण तारण, करन प्रीत सिंह निवासी ग्राम ठठ्ठा थाना पट्टीमोर जिला तरण तारण व विशाल दीप सिंह निवासी मेहता अचल साहू जिला बटला, पंजाब को हिरासत में लिया है। इंस्पेक्टर जीआरपी यादराम सिंह ने बताया कि घायल प्रवीण को प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। जहां अब वह खतरे से बाहर है। उसके सिर व हाथ में गहरे घाव है। इंस्पेक्टर का कहना है कि उसके परिवार द्वारा तहरीर दिए जाने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

पहले भी ट्रेन में हो चुके हैं सरदारों से झगड़े

यूनिक समय, मथुरा। पहले भी ट्रेनों में सीट को लेकर यात्रा के दौरान सरदारों से कई बार झगड़ा मथुरा जंक्शन पर हो चुका है। सरदारों के हमले में एक युवक की जान भी जा चुकी है। ट्रेनों में इस तरह झगड़ों से यात्रा करने वाले अन्य यात्रियों में डर का माहौल बनने लगा है। मामूली से झगड़े में गुस्से में आने के बाद सरदार अपनी कृपाण और तलवार से हमला कर लोगों में दहशत भर देते हैं।

पुलिस की ज्यादती को लेकर खड़े मुस्लिम समाज के लोग।

कोसीकलां में पुलिस का तांडव

दबिश के दौरान घरों में तोड़फोड़

कोसीकलां के नकासा मौहल्ले में पुलिसकर्मियों के मचाए तांडव की कहानी बयां करता एक मुस्लिम परिवार का घर।

पुलिस की कार्रवाई से लोगों में दहशत

छह लोगों को गिरफ्तार कर ले गई पुलिस

पुलिस कार्रवाई से गुस्साए लोगों ने बाजार किया बंद

संवाददाता

यूनिक समय, कोसीकलां (मथुरा)। नकासा इलाके में कबाब खाने को लेकर पुलिसकर्मियों द्वारा की गई मारपीट और उसके बाद हुए बवाल में पुलिस ने 24 नामजदों और 10-20 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। पुलिस ने इस मामले में बीती रात भारी संख्या में पुलिस बल के साथ दबिश देकर छह लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप है पुलिस ने दबिश के दौरान घरों में जमकर तोड़ फोड और महिलाओं से अभद्रता की। पुलिस कार्रवाई के विरोध में लोगों ने इलाके के बाजार को बंद कर दिया है। गौरतलब है कि ईद से पहले कोसीकलां थाने के तीन सिपाही नकासा में बाजार में कबाब खाने के लिए गए थे। कबाब खाने के दौरान वहां सिपाहियों ने मारपीट की और झगड़ा इतना बढ़ गया कि बाद में थाने से आई पुलिस को हस्तक्षेप में लाठियां भांजनी पड़ी। इस दौरान पुलिस ने ठेलों को पलट दिया और लोगों से मारपीट भी। बाद में एक दरोगा ने इस मामले में थाना कोसीकलां में हंगामा करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। हालांकि एसएसपी ने तीनों सिपाहियों को जांच के दौरान दोषी पाने पर लाइन हाजिर कर दिया। पुलिस ने इस मामले में लोगों की गिरफ्तारी के लिए बीती रात करीब 12 बजे नकासा इलाके में घरों में दबिश दी। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस ने यह नहीं देखा कि घर किसका है। पुलिस ने घरों में घुसकर अभद्रता की और घरों में रखे सामान की तोड़ फोड़ की। महिलाओं के साथ भी अभद्रता की। पुलिस ने दबिश देकर छह लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में बाबू उर्फ लाला उर्फ साहिल, आसिफ, अब्दुल्ला, उमर, पप्पू व शाहिद हैं। रात में दबिश के दौरान पुलिस द्वारा की गई घटना के विरोध में स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। पुलिस की ज्यादती के विरोध में आज स्थानीय लोगों ने बाजार में अपनी दुकाने बंद की।

पुलिस ने घरों में की गई तोड़फोड़ को नकारा

यूनिक समय, कोसीकलां, मथुरा। नकासा के रहने वाले कई लोगों ने पुलिस द्वारा उनके घरों में तोड़फोड़ अभद्रता करने की शिकायत करते हुए अपने घरों में पुलिस द्वारा तोड़े गए सामान के फोटो भी डाले हैं। वहीं दूसरी ओर पुलिस का इस बारे में कहना है कि पुलिस को बदनाम करने के लिए इन लोगों ने खुद ही तोड़फोड़ की है। जिन लोगों के घरो में पुलिस ने तोड़फोड़ की है उनमें से अबरार अहमद, जिम मालिक राशिद, मौहम्मद रहीस व नेहा आदि का कहना है कि सादा कपड़ों में आए पुलिसकर्मियों ने उनके घरों में जबरन घुसकर अभद्रता की और घर में रखे सामान को बुरी तरह से तोड़ दिया। इन लोगों का कहना है कि उनका व उनके परिवार का इस घटना से दूर–दूर तक कोई संबंध नहीं है और उनका घटना में नाम है। इसके बाद भी पुलिस ने उनके घरों में तोड़–फोड़ की है। अगर इंस्पेक्टर की बात मान भी ली जाए कि इन लोगों ने पुलिस को बदनाम करने के लिए अपना नुकसान किया है तो सवाल उठता है जब इन लोगों का घटना से कोई ताल्लुक ही नहीं तो वे अपना सामान क्यों तोड़ेगे और पुलिस को बदनाम करने में उन्हें क्या फायदा होगा?

सौगात | गणेशरा स्टेडियम को मिले पांच कोच

शासन को 8 .63 करोड़ रुपये का प्रस्ताव भेजा

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। गणेशरा स्टेडियम को अब संविदा पर पांच कोच मिल गए है। इन कोचों ने खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देना शुरू कर दिया है। जिला क्रीड़ा अधिकारी राकेश कुमार यादव के मुताबिक पांच कोचों में एक कुश्ती, एक तलवारबाजी, एक दौड़, एक जूडो कराटे व एक बाक्सिंग का है। उन्होंने 1 अप्रैल से खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देना शुरू कर दिया है। यह झांसी, बनारस, आगरा और मथुरा से है। श्री यादव ने बताया कि वर्तमान में 300 के करीब खिलाड़ी विभिन्न खेलों में प्रशिक्षण लेने के लिए रोजाना आ रहे हैं। कुछ दिन पहले कोचों की कमी के कारण बच्चे प्रशिक्षण लेने से पहले कई बार सोचते होंगे कि कैसे हम लोग सीख पाएंगे। जिला क्रीड़ा अधिकारी राकेश कुमार यादव के अनुसार 18 वर्ष के आयु वाले खिलाड़ियों के लिए 210 रुपये में एक वर्ष लिए पास बनाया जाता है। 18 वर्ष पूरी होने वाले खिलाड़ियों के लिए पहले महीने में 300 रूपये के पास बनाया जाता है। एक महीने के बाद फिर 200 रूपये प्रति माह पास बनाया जाता हैं। क्रीड़ा अधिकारी ने बताया कि खिलाड़ियों के लिए सुविधाओं के लिए शासन को 8.63 करोड़ रुपये के करीब का प्रस्ताव भेजा गया है, जिससे सिथेटक, आटलैक्स स्टेडियम में दौड़ वाले खिलाड़ियों को कोई परेशानी नहीं हो। शासन की मंजूरी होने के बाद स्टेडियम में यह कार्य करा दिया जाएगा। नए सत्र के लिए पंजीकण शुरू कर दिए हैं। इस वक्त भी विकास प्राधिकरण की ओर से स्टेडियम का विकास कराया जा रहा है।

स्टेडियम को और बेहतर बनाया जाएगा : क्रीड़ा अधिकारी

डीएलएड द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा कल से

10 परीक्षा केन्द्रों पर 4148 परीक्षार्थी देंगे परीक्षा

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के तत्वावधान में डीएलएड द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा कल से महानगर के 10 परीक्षा केन्द्रों पर होगी। इसमें दोनों सेमेस्टर के 6111 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। इस परीक्षा को निष्पक्ष व नकल विहीन कराने के लिए जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने 10 सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किए हैं।

डाइट प्राचार्य राजा बाबू, जिला विद्यालय निरीक्षक रवीन्द्र सिंह एवं सहायक जिला विद्यालय निरीक्षक यशपाल सिंह ने बताया कि डीएलएड द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा तीन से पांच अप्रैल तक 10 परीक्षा केन्द्रों पर होगी। इस परीक्षा के लिए ब्लैक स्टोन इंटर कॉलेज, सुभाष इंटर कॉलेज बंगाली घाट, बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज मथुरा कैंट, केआर गर्ल्स इंटर कॉलेज, प्रेम देवी गर्ल्स इंटर कॉलेज, डीएवी इंटर कॉलेज, चमेली देवी गर्ल्स इंटर कॉलेज मथुरा, हजारी मल सोमानी नगर निगम इंटर कॉलेज वृंदावन, नगर निगम गर्ल्स इंटर कॉलेज वृंदावन को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। इन केन्द्रों पर द्वितीय सेमेस्टर के 4148 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा को नकल विहिन कराने के लिए पांच सेक्टर मजिस्ट्रेट लगाए गए हैं। जबकि डीएलएड की चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा सात से 9 अप्रैल तक होगी।

डीएलएड चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा होगी सात से

चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा में 1943 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। यह परीक्षा लक्ष्मण प्रसाद चतुर्वेद आर्य कन्या इंटर कॉलेज जनरल गंज, सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज मथुरा कैंट, केआर गर्ल्स इंटर कॉलेज मथुरा, प्रेम देवी गर्ल्स इंटर कॉलेज और डीएवी इंटर कॉलेज मथुरा सहित पांच परीक्षा केन्द्र बनाये गये है। यह परीक्षा तीन सेक्टरों में विभाजित करके कराई जाएगी। इसके लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगाई गई है।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त ने बताया कि बेसिक शिक्षा परिषद के 237 शिक्षकों की ड्यूटी इस परीक्षा को सम्पन्न कराने के लिए लगाई गई हैं। उप शिक्षा निदेशक एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य राजा बाबू ने परीक्षक के रूप में ड्यूटी लगाए गए शिक्षकों से कहा है कि वे समय से परीक्षा प्रारंभ होने से पहले परीक्षा केन्द्रों पर पहुंच जाए। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने प्रश्नपत्रों को एक घंटा पहले निकलवाने के लिए डिप्टी कलेक्टर प्रीति जैन की ड्यूटी लगाई गई है। इनकी अनुपस्थिति में डिप्टी कलेक्टर ऋतु सिरोही को नामित किया गया है।

आरआईएस में नए शैक्षिक सत्र का शुभारम्भ हवन-पूजन के साथ

राजीव इंटरनेशनल स्कूल में पूजा-पाठ करवाते हुए आचार्य करपात्री महाराज एवं कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक व बच्चे।

यूनिक समय, मथुरा। राजीव इंटरनेशनल स्कूल में बुधवार को नए शैक्षिक सत्र की शुरुआत हवन-पूजन के साथ हुई। इस अवसर पर आचार्य करपात्री महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन संपन्न कराया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्री गणेश और मां सरस्वती के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित करके की गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने शपथ ली कि वे पढ़ाई में अधिक ध्यान देंगे, अपने लक्ष्यों को प्राप्त करेंगे और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएंगे। इसके साथ ही मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का भी संकल्प लिया। विद्यालय परिसर में छात्र-छात्राओं का स्वागत रोली-तिलक और पुष्प वर्षा के साथ किया गया। गुरुजनों ने विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व पर बल दिया और अभिभावकों से बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने की अपील की। डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने बच्चों से अनुशासन और मेहनत के साथ पढ़ाई करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का मुख्य उद्देश्य केवल पढ़ाई होना चाहिए। प्रबंध निदेशक मनोज अग्रवाल ने भी विद्यार्थियों को नए सत्र की शुभकामनाएं दी और मेहनत करने तथा माता-पिता का सम्मान करने की बात कही। शैक्षिक संयोजिका प्रिया मदान ने सभी को अनुशासन की शपथ दिलाई और कहा कि वैदिक संस्कृति में हवन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। सभी शिक्षकों ने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया।

साइबर सिक्योरिटी पर कार्यशाला का आयोजन

कार्यशाला को सम्बोधित करते संस्थान के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल।

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा "साइबर सिक्योरिटी" पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को आधुनिक सॉफ्टवेयर टूल्स और नवीनतम तकनीकों से परिचित कराना था। कार्यशाला का संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश सिंह और रजनी शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। विशेषज्ञ नितिन काउंसिल ऑफ ईसी, नोएडा ने साइबर सिक्योरिटी के विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान दिया और छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया। कार्यशाला में बीटेक तृतीय और अंतिम वर्ष के छात्रों, साथ ही एमसीए अंतिम वर्ष के छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल, वाइस चेयरमैन इंजी. नितिन मित्तल, निदेशक प्रो. डॉ. श्याम सुंदर अग्रवाल और रजिस्ट्रार भगवान सिंह ने कार्यशाला की सराहना की। उन्होंने छात्रों को ऐसे तकनीकी कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया और कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए सभी छात्रों और शिक्षकों को बधाई दी।

स्कूली बच्चों के लिए पंखा और कूलर सौंपे

निताई चरण प्राथमिक पाठशाला में बच्चों के लिए कूलर एवं पंखा सौंपते ब्रज धाम सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष अभय गोस्वामी।

यूनिक समय, वृंदावन। ब्रज धाम सेवा ट्रस्ट (रजि.) के श्रीहित पाठशाला प्रोजेक्ट के अंतर्गत क्षेत्र के निताई चरण प्राथमिक पाठशाला में अध्ययनरत छात्रों की सुविधा के लिए कूलर एवं पंखे का वितरण किया गया।

ट्रस्ट के अध्यक्ष अभय गोस्वामी ने कहा कि शिक्षा ही समाज के विकास की नींव है। जब विद्यार्थी अनुकूल वातावरण में पढ़ाई करेंगे, तो वे बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। पाठशाला की प्रधानाध्यापक अनीशा ने ट्रस्ट का आभार जताया। इस मौके पर ट्रस्ट कोषाध्यक्ष सक्षम गोस्वामी, पूनम गुप्ता, दीपक शर्मा तथा शुभम यादव आदि उपस्थित थे।

समाज कल्याण डीडी पहुंचे जांच करने

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। आगरा से डिप्टी डायरेक्टर (समाज कल्याण) आनंद कुमार सिंह जनपद में शासन की परियोजनाओं की समीक्षा करने राजीव भवन पहुंचे। उन्होंने जिला समाज कल्याण अधिकारी से योजनाओं की प्रगति जानी।

सबसे पहले डिप्टी डायरेक्टर ने एसएसपी आवास के समीप बने तीन राजकीय छात्रावासों के जीर्णोद्धार कार्यों को देखा। उसके बाद उन्होंने बताया कि बालक बालिकाओं के इन तीनों राजकीय छात्रावासों का निर्माण 38 लाख रुपये की लागत से हुआ है। उन्होंने छात्रावासों में विद्युत आपूर्ति के लिए सोलर लाइट लगवाने के निर्देश जिला समाज कल्याण अधिकारी को दिए। डीडी ने कहा कि अनुसूचित जाति के छात्रों को कक्षों के आवंटन के लिए आवेदन मांग लिए जाएं। उन्होंने बताया कि बाटी में आवासीय विद्यालय बनकर तैयार है। इसमें शीघ्र प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। इस आवासीय विद्यालय का वे कई बार निरीक्षण कर चुके हैं। उन्होंने जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए कि जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी से एक कमेटी बनाकर निर्माण कार्यों की जांच करा लें। तभी कार्यदायी संस्था सिडको से हैंड ओवर करें। इस पर जिला समाज कल्याण अधिकारी नगेन्द्र पाल सिंह ने बताया कि जांच कमेटी बनाने की फाइल सीडीओ से संतुति कराके जिलाधिकारी के पास स्वीकृति को भेजी है। जैसे ही डीएम से स्वीकृति मिल जाएगी समिति जांच करेगी उसमें जो भी खामियां मिलेंगी उनको पुनः सही कराया जाएगा।

राजीव भवन स्थित जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय में जांच करते डिप्टी डायरेक्टर आनंद कुमार सिंह। साथ में बैठे हैं जिला समाज कल्याण अधिकारी नगेन्द्र पाल सिंह, लखनऊ मुख्यालय से आए अधिकारी रमाकांत।

जीर्णोद्धार कराये गए तीन राजकीय छात्रावासों का किया निरीक्षण

बाटी के आवासीय विद्यालयों में प्रवेश की प्रक्रिया शीघ्र होगी प्रारंभ

जिला समाज कल्याण अधिकारी को विद्यालय निर्माण की जांच के दिए निर्देश

तहसील कार्यालयों में दिव्यांगों के लिए बनेंगे रेम्प: डीएम

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। डीएम चंद्रप्रकाश ने कहा कि अब जिले की सभी तहसीलों में दिव्यांगों के लिए रेम्प बनाये जाएंगे। उन्होंने सभी तहसीलों के एसडीएम व तहसीलदार को निर्देश दिए हैं कि 15 दिन में तहसील कार्यालयों में जाने के लिए बनी सीढ़ियों को तोड़कर रेंप बनाये जाएं। बता दें कि देखने में आ रहा है कि जनपद की छाता, गोवर्धन, मांट, सदर तथा महावन तहसीलों में जब दिव्यांग अपनी समस्या लेकर एसडीएम के पास जाते हैं तो उनको सीढ़ियां चढ़कर जाना पड़ता है। जिससे चलने फिरने में असमर्थ दिव्यांगों को काफी असुविधा हो रही है।

योगी की नहीं,अधिकारियों की सरकार

डग्गेमार वाहन दौड़ रहे सड़कों पर

हरियाणा रोडवेज बस की तरह खड़ी प्राइवेट बसें।

निजी कार जो रोजाना सवारियां लेकर चलती है।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। लखनऊ में बैठे यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ डग्गेमार वाहनों को रोकने के लिए कितने भी आदेश जारी कर दें, लेकिन आदेश का पालन तो अधिकारियों को कराना है। स्थिति साफ है कि जिले में तो अधिकारियों की सरकार चलती है। आगरा से दिल्ली के बीच रोजाना निजी बस और कार सवारियों को लेकर दौड़ती हैं। मथुरा में गोवर्धन चौराहा के आसपास बस और कार रुकती है। इनमें यात्रियों को बिठाने के लिए क्लीनर जोर जबरदस्ती करते देखे जा सकते हैं। पर किसी अधिकारी की क्या मजाल इन डग्गेमार वाहनों पर अंकुश लगाने के लिए प्रयास कर लें। वजह साफ है कि जेब में सुविधा शुल्क।

ट्रैफिक पुलिस और एआरटीओ नहीं पकड़ रहे ऐसे वाहनों को

यदि सरकार इन डग्गेमार वाहनों को पकड़ने के लिए कोशिश करें तो टोल टैक्स से नंबर लेकर कार्रवाई कर सकती है। लोगों का कहना है कि कई बसों के मालिकों ने अपने बसों के रंग ऐसे करवा रखें है, जिससे आम यात्रियों को उप्र परिवहन निगम और हरियाणा रोडवेज की बस लगे। बैठने पर मालूम होता है कि यह बस तो डग्गेमार है। यदि किसी ऐसे वाहन का एक्सीडेंट हो जाता है तो लखनऊतक शोर मच जाता है। फिर एक बार डग्गेमार वाहनों पर अंकुश लगाने का फरमान जारी होता है। टाउनशिप चौराहा और गोवर्धन चौराहों पर पुलिस कर्मियों की ड्यूटी 24 से घंटे रहती है। इसके बाद भी किसी को कोई भय नहीं है। वाहन चालक पुलिस के सामने ही सवारियों को बैठा कर ले जाते है। छोटी टैक्सी वाले हो या बड़े वाहन हो। ये वाहन चालक अवैध पार्किंग में गाड़ियों को खड़ी करके अपनी मनमर्जी करते दिखाई देते है। इसके कारण चौराहों पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। ऐसे वाहन चालकों ने परिवहन विभाग के नियमों को ताक पर रख दिया है।

संदिग्ध परिस्तिथियों में गर्भवती महिला की मौत

यूनिक समय, राया (मथुरा)। थाना क्षेत्र के गांव कटेला में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। मृतका चार माह की गर्भवती थी। ससुरालिजनों ने किसी को बिना बताए महिला का अंतिम संस्कार कर दिया। किसी ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर क्षेत्राधिकारी महावन धर्मेंद्र चौहान तथा प्रभारी निरीक्षक अजय कौशल मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने जलती चिता से शव को निकालकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। बताया गया कि गांव कटेला निवासी विपिन की शादी पांच माह पहले बुलन्दशहर निवासी रिया से हुई थी। थाना प्रभारी अजय कौशल ने बताया कि मृतका के परिजनों के आने पर कार्यवाही की जाएगी। समाचार लिखे जाने तक पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई थी।

“बोलती तस्वीर”

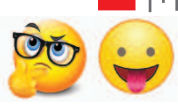

हवा को प्रदूषित करती स्कूली बस

संभागीय परिवहन अधिकारी कितने दावे कर लें, फिर भी वाहन प्रदूषण फैलाते नजर आते हैं। चित्र में एक स्कूल की बस काला धुआं फेंकती नजर आ रही है। छाया—प्रदीप कांत मिश्रा।

यमुना महारानी का जन्मोत्सव कल, निकलेगी शोभायात्रा

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण प्रिया एवं सूर्य पुत्री यमुना महारानी का जन्मोत्सव कल मनाया जाएगा। श्री माथुर चतुर्वेद परिषद के तत्वावधान में विविध कार्यक्रम का आयोजन किये जाएंगे। परिषद के महामंत्री राकेश तिवारी एडवोकेट के अनुसार विश्राम घाट पर कल प्रातः 10 बजे मां यमुना का सामूहिक पूजन विधि विधान के साथ किया जाएगा। सायं 4 बजे यमुना महारानी की शोभा यात्रा पुण्यतीर्थ विश्राम घाट से प्रारंभ होकर बंगाली घाट आर्य समाज रोड होली गेट छत्ता बाजार होते हुए पुनः विश्राम घाट पर पहुंचेगी।

आज का शब्द

"दुराराध्य"

क्या है दुराराध्य शब्द!

अर्थः जिसे प्रसन्न या प्राप्त करना कठिन हो।

उपयोगः यह पदवी दुराराध्य है, क्योंकि इसे प्राप्त करने के लिए बहुत परिश्रम करना पड़ता है।

डीएम ने निरस्त किया राइफल व रिवॉल्वर का लाइसेंस

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने बलदेव थाना क्षेत्र के एक निवासी का राइफल और रिवॉल्वर दोनों का शस्त्र लाइसेंस निरस्त कर दिया।

जिलाधिकारी ने बताया कि विवेचना के आधार पर गोविन्द पुत्र वीरी सिंह निवासी नगला बली थाना बलदेव का शस्त्र लाइसेन्स संख्या 953/2006 पर धारित रायफल नं.—05547 थाना बल्देव तथा शस्त्र लाइसेन्स संख्या 981/2007 पर धारित रिवॉल्वर नं.—7461/07 थाना बल्देव को निरस्त किया है।

यह कार्रवाई उन्होंने विवेचना के आधार पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की आख्या 9 जून 2022 में अभियुक्त पर वर्तमान में मु.अ.सं. 154/2021 धारा 147, 148, 149, 452, 323, 324, 506, 307, 302 भादवि थाना बलदेव में पंजीकृत है। मुकदमा अपराध संख्या—154 / 2021 न्यायालय एडीजे—3 में विचाराधीन है। शस्त्र धारक ने लाइसेन्स की शर्तों का स्पष्ट उल्लघंन किया है।

वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक कुलदीप मीना सम्मानित

यूनिक समय, आगरा। उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह 2024 उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में हुआ। उत्तर मध्य रेलवे महाप्रबंधक उपेन्द्र चन्द्र जोशी की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष श्रीमती चेतना जोशी एवं अपर महाप्रबंधक समेत वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। इस मौके पर उत्कृष्ट कार्य करने उत्तर मध्य रेलवे के 81 रेल कर्मी पुरस्कृत हुए। इसमें से आगरा मंडल के 14 रेल कर्मचारी अधिकारी शामिल थे। वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक, आगरा मंडल कुलदीप मीना को विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह—2024 से सम्मानित किया गया। उन्होंने मथुरा में प्रमुख एनआई कार्य की योजना बनाने और उसे क्रियान्वित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसमें जटिल यातायात और जनशक्ति प्रबंधन शामिल था।

अभी से सूरज का यह हाल, आगे तो मार डालेगा

मथुरा में भगवान भास्कर के तल्ख तेवरों में झुलसने से बचने के लिए महिलाएं अपने चेहरों को दुपट्टा से ढककर चलते हुए। फोटो— प्रदीप कांत मिश्रा।

प्रमुख संवाददाता

धूप से बचने के लिए महिलाओं ने ढके चेहरे

यूनिक समय, मथुरा। पारा आज फिर 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। पारा बढ़ने से महिलाओं को आग की तरह चेहरों को झुलसने का अहसास होने लगा। इसलिए उन्होंने अपने दुपट्टा से चेहरे को पैक कर लिया। मार्च माह के बाद अप्रैल के पहले सप्ताह में तापमान 36 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा। इस कारण घरों से बाहर काम के लिए निकलने वाली महिला और युवतियों को गर्म धूप का अहसास हुआ तो उन्होंने अपने चेहरे को दुपट्टा से पैक कर लिया। ताकि उनके चेहरा धूप में झुलसने से बच सके। वैसे लोगों को भी तेज धूप का अहसास होने लगा है। दोपहर 12 से चार बजे तक लोग घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। जरा सी लापरवाही दुखदायी हो सकती है। बदलते मौसम से अधिकांश घरों के लोग कई बीमारियों के शिकार हो गए हैं। वह अस्पतालों की ओर दौड़ रहे हैं। डॉक्टर्स भी लोगों को बदलते मौसम से बचने की सलाह दे रहे हैं।

डीएम निरीक्षण को आने वाले हैं, जल्दी करो सफाई

यूनिक समय, मथुरा। जिलाधिकारी के निरीक्षण का खौफ आज राजीव भवन के विभिन्न विभागों के कार्यालयों के अधिकारियों कर्मचारियों में दिखाई दिया। विकास कार्यों से जुड़े अधिकारियों ने पूरे राजीव भवन में स्थित एक दर्जन कार्यालयों के ऐसा चमका दिया कि कहीं किसी की बरात आ रही हो। कहीं कूड़ा करकट दिखाई नहीं दे रहा था। जहां इसकी बिल्डिंग में प्रवेश करते ही ऐसा लगता था कि सरकारी कार्यालय न होकर कबाड़ द्यार हो। पूरे भवन के दोनों फ्लोरों के फर्श को पानी व सर्फ डालकर धुलवाया गया। वहीं डीआरडीए के परियोजना निदेशक एके उपाध्याय भी कर्मचारियों के साथ परिसर की धुलाई व सफाई कराने में जुटे रहे। उन्होंने राजीव भवन के अंदर जगह–जगह पेड़ व फूलों के कमले रखवाए। वहीं सीडीओ, जिला विकास अधिकारी, डीपीआरओ, डीआरडीए, समाज कल्याण विभाग, सहकारिता विभाग, दिव्यांग कल्याण विभाग, मत्स्य, अर्थ संख्या अधिकारी, पशु पालन, मनरेगा उपायुक्त, लोकपाल, बाल विकास विभाग, आरईएस, पिछड़ा वर्ग, पीआरडी के कर्मचारियों ने अपने अपने पटलों की फाइलों की साफ सफाई की, किस फाइल में क्या है इसको मार्का के माध्यम से लिखा गया। अस्तव्यस्त पड़ी फाइलों को दुस्स्त कराके निर्धारित जगह पर रखवाया। वहीं अलमारियों, मेज कुर्सी के निचे की सफाई की गई। सफाई कर रहे कर्मचारियों से पूछा कि कैसे राजीव भवन धुल रहा है। क्या कोई आने वाला है। तब उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी राजीव भवन के निरीक्षण को आने वाले हैं।

राजीव भवन आने वाला हर कोई कह रहा था कि ऐसा हर सप्ताह हो या 15 दिन में एक दिन किया जाए तो यहां का प्रत्येक दफ्तर अच्छा लगेगा।

जिला कॉर्डिनेटर सोशल ऑडिट पद के लिए साक्षात्कार

जिला कॉर्डिनेटर सोशल ऑडिट कोर्डिनेटर पद के लिए सीडीओ कार्यालय में साक्षात्कार लेते मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना, डीडीओ गरिमा खरे, केआर कॉलेज के प्रवक्ता।

वरिष्ठ संवाददाता

एक पद के लिए बुलाए सात अभ्यर्थी

चार अभ्यर्थियों के आवेदन किए निरस्त

यूनिक समय, मथुरा। आज राजीव भवन में जिला कॉर्डिनेटर सोशल ऑडिट के एक पद के लिए 7 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना की अध्यक्षता में हुआ। साक्षात्कार के बाद जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे ने बताया कि जिला कॉर्डिनेटर सोशल ऑडिट के एक पद के लिए 11 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से तीन आवेदन समय के बाद आए थे और एक आवेदन निर्धारित प्रक्रिया के तहत नहीं आया था। इन चार अभ्यर्थियों के आवेदनों को चयन समिति ने निरस्त कर दिया था। उसके बाद शेष बचे सात आवेदन कर्ताओं को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया। शीघ्र ही इसका परिणाम जारी कर दिया जाएगा। चयन समिति में जिलाधिकारी द्वारा नामित मुख्य विकास अधिकारी अध्यक्ष, जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे और मंडलायुक्त द्वारा नामित केआर कॉलेज के एक प्रवक्ता ने अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया।

पेंशन अदालत 23 को

यूनिक समय, मथुरा। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में 23 अप्रैल को मध्याह्न 12.30 बजे से पेंशन अदालत लगेगी। जिला कोषाधिकारी मुन्ना लाल शुक्ला ने बताया कि विभिन्न राजकीय विभागों से सेवानिवृत्त हुए पेंशनरों की समस्याओं का निवारण एवं व्यापक प्रचार प्रसार हेतु उनको समन्वयक बनाया गया है। उन्होंने बताया कि जिन पेंशन भोगियों को पेंशन संबंधी कोई समस्या है तो वह 11 अप्रैल तक अपनी समस्या संबंधी प्रार्थना पत्र दो प्रतियों में वरिष्ठ कोषाधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत करें। पेंशन अदालत में केवल वही पेंशन भोगी अपने प्रत्यावेदन के साथ उपस्थित होगें, जिनकी कोई पेंशन संबंधी समस्या हो। पेंशन अदालत में प्राप्त प्रार्थना पत्रों के क्रम में संबंधित कार्यालयाध्यक्ष भी निराकरण सहित उपस्थित होंगे।

मस्जिद को विवादित ढांचा घोषित करने की मांग पर हाईकोर्ट में सुनवाई कल

श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास ने दिया था कोर्ट में प्रार्थना पत्र

यूनिक समय, मथुरा। श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास द्वारा दाखिल याचिका पर हाईकोर्ट में कल दोपहर दो बजे से सुनवाई होगी। न्यास ने वर्तमान में बनी शाही ईदगाह मस्जिद को विवादित ढांचा घोषित करने और वहां श्रीकृष्ण मंदिर के पुनर्निर्माण की मांग की है।

वादी महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने बताया कि कोर्ट में संशोधन प्रार्थना पत्र भी दाखिल किए गए थे, जिन पर सुनवाई होगी। उन्होंने कहा कि विवादित स्थल ही मूल गर्भगृह है और इसे अयोध्या की भांति विवादित ढांचा घोषित किया जाना चाहिए।

मामले के वाद बिंदुओं पर भी चर्चा होगी, जिससे मुकदमा गवाही के चरण में आ सके। न्यास ने इस संबंध में एक प्रार्थना पत्र पहले ही दाखिल किया है और भारतीय इतिहास की पुस्तकों व विदेशी यात्रियों के विवरण के आधार पर साक्ष्य एकत्र किए हैं।

इस मामले पर आगे की कानूनी प्रक्रिया तय करने के लिए कोर्ट का निर्णय अहम होगा।

गौतम खण्डेलवाल बने महासभा के संयुक्तमंत्री

यूनिक समय, मथुरा। अ.भा. खण्डेलवाल वैश्य महासभा के 35 वें खाटूश्याम के महाअधिवेशन सत्र कार्यकारिणी में गौतम खण्डेलवाल को संयुक्त मंत्री बनाया गया है। महासभा के प्रधानमंत्री महेश कानूनगो ने बताया कि गौतम खंडेलवाल काफी समय से इस संगठन में ईमानदारी से अपने कर्तव्यों को निभा रहे थे। इनकी मेहनत को देखते हुए इनको यह जिम्मेदारी दी हैं, अब संगठन को और मजबूती मिलेगी।

माध्यमिक शिक्षा परिषद ने जारी किया शैक्षणिक कैलेंडर

वरिष्ठ संवाददाता

माध्यमिक शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षा फरवरी 2026 में

अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं अक्टूबर में होंगी

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के निदेशक महेन्द्र देव ने शैक्षिक सत्र 2025-26 के लिए निर्धारित शैक्षिक पंचांग जारी किया है। जिला विद्यालय निरीक्षक रवीन्द्र सिंह ने बताया कि नवीन कैलेंडर के अनुसार विद्यालय में शिक्षण के दौरान प्रथम वादन से पूर्व, आरम्भ के 15 मिनट प्रातः कालीन प्रार्थना सभा हेतु निर्धारित होंगे। जिसमें 'प्रार्थना होगी तथा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा 'आज का सुविचार' प्रस्तुत किया जायेगा।

विद्यार्थियों द्वारा प्रत्येक दिन किसी नैतिक/प्रासंगिक विषय जैसे–जीवन में मूल्यों का महत्व एवं मूल्यपरक शिक्षा, विभिन्न मानव मूल्य यथा चरित्र निर्माण, राष्ट्रभक्ति, समाजसेवा, कर्तव्यपरायणता, सत्यनिष्ठा आदि, महापुरुषों का जीवन चरित्र, पर्यावरण एवं जल संरक्षण, स्वास्थ्य–स्वच्छता तथा यातायात व सड़क सुरक्षा आदि पर विचार प्रस्तुत किये जायेंगे। उन्होंने बताया कि 'नए सत्र में नया सवेरा' कार्यक्रम का आयोजन। इसके अन्तर्गत अप्रैल माह के प्रत्येक सप्ताह में दो दिन शिक्षाधिकारी विद्यालयों की प्रातः कालीन सभाओं में विद्यार्थियों से जीवन मूल्यों, अनुशासन, कैरियर, नियमित दिनचर्या आदि प्रासंगिक विषयों पर प्रेरक संवाद करेंगे। कार्यक्रम में यथा सम्भव विद्यालयों के पुरा छात्रों एवं विभिन्न क्षेत्रों में सफल व्यक्तियों को भी आमंत्रित किया जाए।

मासिक पाठ्यक्रम के अनुसार बहुविकल्पीय प्रश्नों के आधार पर मई के द्वितीय सप्ताह में मासिक टेस्ट, मासिक पाठ्यक्रम के अनुसार वर्णनात्मक प्रश्नों के आधार पर मासिक टेस्ट जुलाई के अंतिम सप्ताह में, अर्द्ध वार्षिक प्रयोगात्मक परीक्षाएं सितम्बर के अंतिम सप्ताह में, अर्द्ध वार्षिक लिखित परीक्षाओं का आयोजन अक्टूबर माह के द्वितीय व तृतीय सप्ताह में, अर्द्ध वार्षिक परीक्षा के अंक वेबसाइट पर अपलोड कराना नम्बर के प्रथम सप्ताह तक, मासिक पाठ्यक्रम के अनुसार बहुविकल्पीय प्रश्नों के आधार पर मासिक टेस्ट नवम्बर के प्रथम सप्ताह में, वर्णनात्मक प्रश्नों के आधार पर मासिक टेस्ट दिसम्बर के अंतिम सप्ताह में, सभी कक्षाओं में पाठ्यक्रम पूर्ण कराने की तिथि जनवरी 2026 के प्रथम सप्ताह तक, कक्षा 12 वीं की प्री बोर्ड की प्रयोगात्मक परीक्षा जनवरी 2026 के द्वितीय सप्ताह में और लिखित परीक्षा जनवरी 2026 के तृतीय सप्ताह में, कक्षा 9 व 11 वीं की वार्षिक परीक्षा जनवरी के तृतीय सप्ताह में, उत्तर पस्तिकाओं का मूल्यांकन फरवरी के द्वितीय सप्ताह तक, यूपी बोर्ड की प्रयोगात्मक परीक्षा 21 जनवरी से पांच फरवरी तक, यूपी बोर्ड की परीक्षा फरवरी में आयोजित होंगी।

शिक्षा भविष्य संवारने की रखती है शक्ति : राज्यपाल

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लोहवन के नवीनीकृत निर्माण कार्यों का उद्घाटन किया। इन दोनों विद्यालयों का सनश्योर एनर्जी द्वारा सीएसआर के फंड से नवीनीकृत कार्य कराया गया है। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज की प्रगति सुनिश्चित हुई है। शिक्षा न केवल व्यक्तियों को सशक्त बनाती है, बल्कि हमारे संयंत्रों के आस-पास के समुदायों के समग्र विकास को भी उत्प्रेरित करती है। शिक्षा सबसे शक्तिशाली मार्ग है जिसके माध्यम से हम एक मजबूत, अधिक विकसित भारत के निर्माण में योगदान करते हैं। उन्होंने कहा कि "शिक्षा ही एकमात्र ऐसा मार्ग है जो हमारे भविष्य को संवारने की शक्ति रखता है। स्कूल में हर कदम एक मजबूत, उज्जवल भविष्य की ओर ले जाता है। स्वच्छ ऊर्जा इस दिशा में एक गहरी प्रेरणा है और युवा लड़कियों को सही समय पर सशक्त बनाने के लिए शिक्षित होना जरूरी है।

लोहवन स्थित राजकीय स्कूल में नवीनीकरण कार्य के लोकार्पण कार्यक्रम में बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, विधायक पूरन प्रकाश, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय।

इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन दिवस केक काटकर मनाया

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा। 108–102 एंबुलेंस कर्मचारियों ने बुधवार को सीएमओ कार्यालय में इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन (ईएमटी) दिवस उत्साहपूर्वक मनाया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. ए.के. वर्मा और वाहन प्रभारी डॉ. भूदेव सिंह ने केक काटकर सभी को शपथ दिलाई।

इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले सात ईएमटी–भंवर सिंह, ओमवीर सिंह, अनुज कुमार, हरीश कुमार, कुलदीप कुमार, हृदेश कुमार और अवनीश कुमार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आलोक कुमार, डॉ. रोहिताश, डीपीएम संजय सिहोरिया, एंबुलेंस प्रोग्राम मैनेजर गौरव त्यागी सहित कई अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संविदा डॉक्टर बनने को पहुंचे 22 अभ्यर्थी

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत एमबीबीएस डॉक्टरों की संविदा पर नियुक्ति के लिए जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह द्वारा सीडीओ की अध्यक्षता में गठित समिति ने आज साक्षात्कार लिया। बुधवार को राजीव भवन स्थित सीडीओ कार्यालय में मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना की अध्यक्षता मे गठित समिति द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों में संविदा पर वाक इन इण्टरव्यू के माध्यम से एम.बी.बी.एस. चिकित्सकों के साक्षात्कार लिया गया। आज साक्षात्कार मे कुल 22 चिकित्सकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। चयन समिति में मुख्य विकास अधिकारी के अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. अजय कुमार वर्मा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका संयुक्त चिकित्सालय वृन्दावन श्रीमती वन्दना एंव जिला कार्यक्रम प्रबन्धक एन.एच.एम. संजय सिरोही उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत होंगी नियुक्तियां

श्रीकृष्ण जन्मस्थान से कल सुबह निकलेगी शोभायात्रा

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के तत्वावधान में भगवान श्रीकृष्ण की पुराण प्रसिद्ध जन्मभूमि पर स्थित श्री केशवदेव मंदिर से (यमुना षष्ठी) 03 अप्रैल को श्री यमुना महारानी के पूजन को परंपरागत रूप से एक शोभायात्रा निकाली जायेगी। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान की प्रबंध समिति के सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने बताया कि श्रीकृष्ण–जन्मस्थान प्रांगण स्थित श्री केशवदेव मंदिर से मंगल कलश शोभायात्रा कल प्रातः 9:00 बजे से प्रारंभ होकर डीग गेट, मण्डी रामदास, चौक बाजार, स्वामी घाट होते हुये विश्राम घाट तक जायेगी। विश्राम घाट पर श्री यमुना महारानी का शास्त्रोक्त विधि से पूजन कर दुग्धाभिषेक किया जायेगा। मंगल कलश शोभायात्रा में लगभग 301 कलश एवं पूजन सामग्री लिये मांगलिक परिधानों में महिलायें, झाँकी, वातावरण को भक्तिमय करने हेतु सन्त–वैष्णवजन की उद्दाम संकीर्तन करते विभिन्न कीर्तन मण्डली, श्रीकृष्ण संकीर्तन मण्डल के रसिक भक्तजन तथा भक्तिमय भजन गायन करते हुये बैण्डबाजों के साथ अनेक श्रद्धालु भक्तगण रहेंगे। शोभायात्रा आयोजन का उद्देश्य श्री यमुनाजी के पूजन / दुग्धाभिषेक के साथ–साथ यमुनाजी का स्वरूप प्रदूषण मुक्त होकर 'अविरल यमुना–निर्मल यमुना' के संकल्प के साथ होगा।

विश्राम घाट पर होगा दुग्धाभिषेक

अज्ञात की जिला अस्पताल में हुई मौत

यूनिक समय, मथुरा। जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती एक लावारिस मरीज की इलाज के दौरान मौत हो गई। अस्पताल स्टाफ ने इस बारे में कोतवाली पुलिस को सूचना दी। जिला अस्पताल में इलाज के लिए एक अज्ञात व्यक्ति को किसी ने इलाज के लिए भर्ती कराया था। उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। अस्पताल स्टाफ ने शव को मोर्चरी में रख दिया। पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सारंग हाई इम्पैक्ट स्कूल परिवर्तनकारी शिक्षा का केंद्र

यूनिक समय, वृंदावन (मथुरा)। सारंग हाई इम्पैक्ट स्कूल के गलियारे छात्रों की उत्साहित बातचीत, हल्की मुस्कान और उत्सुक कदमों की चहचहाहट से गूंज उठे, जब विद्यालय ने नए शैक्षणिक सत्र के पहले दिन छात्रों का स्वागत किया। सुबह का माहौल उत्साह से भरपूर था, जब छात्र अपने अभिभावकों के साथ विद्यालय पहुंचे, और उनके शैक्षणिक सफर के एक नए चरण की शुरुआत हुई। प्रधानाचार्य और शिक्षकों ने छात्रों और अभिभावकों का गर्मजोशी से स्वागत किया, जिससे उनका यह बदलाव सहज और सुखद महसूस हुआ। विद्यालय की सांस्कृतिक परंपरा के अनुरूप, छात्रों का पारंपरिक 'तिलक' समारोह के साथ स्वागत किया। सभी छात्र स्वागत गीत की धुनों के साथ असेंबली ग्राउंड की ओर बढ़े, जहां दिन की आधिकारिक शुरुआत दिव्य आशीर्वाद की प्रार्थना के साथ हुई। नवाचारपूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी सारंग हाई इम्पैक्ट स्कूल ने प्रतिष्ठित कैम्ब्रिज इंटरनेशनल करिकुलम को अपनाया है, जो शैक्षणिक उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करता है। सारंग हाई इम्पैक्ट स्कूल केवल एक संस्थान नहीं, बल्कि परिवर्तनकारी शिक्षा का एक केंद्र है।

पहले दिन की समाप्ति पर, छात्र नई मित्रता, रचनात्मक कलाकृतियों और रोमांचक यादों के साथ लौटे, तथा आगे की सीखने की यात्रा के प्रति उत्साहित दिखाई दिए।

छोटे कदम, बड़े सपने, सभी छात्रों का स्वागत

नीदरलैंड्स की फॉन्टिस यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधिमंडल ने किया जीएलए विश्वविद्यालय का दौरा

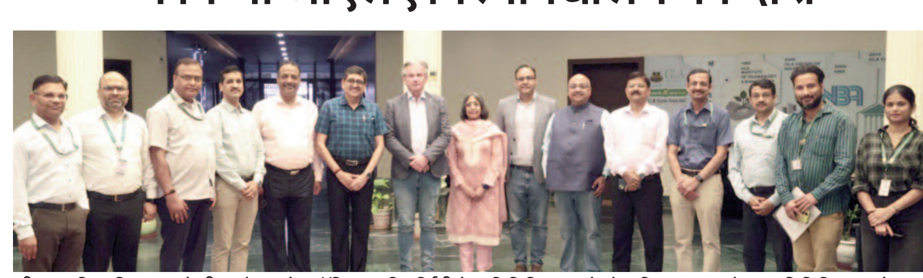
जीएलए विश्वविद्यालय में नीदरलैंड्स के फॉन्टिस यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधिमंडल ने दौरा किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल के साथ है जीएलए के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा ने नीदरलैंड्स की प्रतिष्ठित फॉन्टिस यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज, आइंडहोवन के एक विशिष्ट प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की। इस यात्रा का उद्देश्य दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षणिक सहयोग बढ़ाना था। प्रतिनिधिमंडल में आईसीटी और इंटरनेशनल डुअल डिग्री प्रोग्राम प्रमुख डॉ. मिशेल वान ईखाउट, डोसेंट इर रूपाली गुप्ता और डॉ. इर सचिन भारद्वाज शामिल थे। जीएलए विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय संबंध और शैक्षणिक सहयोग कार्यालय के डीन प्रो. दिलीप कुमार शर्मा और एसोसिएट डीन प्रो. आशीष शुक्ला ने उनका स्वागत किया। इसके बाद, प्रतिनिधिमंडल ने जीएलए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता और कुलसचिव अशोक कुमार सिंह के साथ एक औपचारिक बैठक की, जिसमें प्रमुख संकाय सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में जीएलए विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों, रैंकिंग और पाठ्यक्रमों पर चर्चा की गई। डॉ. मिशेल वान ईखाउट ने फॉन्टिस यूनिवर्सिटी की शैक्षणिक सुविधाओं, वैश्विक रोजगार संभावनाओं और किफायती ट्यूशन फीस पर जानकारी दी। उन्होंने भारतीय छात्रों के लिए नीदरलैंड्स में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के अवसरों पर भी प्रकाश डाला। साझेदारी के तहत (2+2) और (3+1) डुअल डिग्री कार्यक्रमों के लिए एमओयू की संभावनाएं तलाशी गईं। इसके अलावा, संयुक्त अनुसंधान, संकाय विनिमय और अंतरराष्ट्रीय करियर अवसरों पर भी चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान केंद्रों, छात्र सुविधाओं और आधुनिक अवसंरचनाओं का दौरा भी किया।

अवैध कॉलोनी पर प्रशासन का बुलडोजर

कार्रवाई में तीन मकान ध्वस्त

यूनिक समय, वृंदावन। अक्रूर मंदिर के पास खादर क्षेत्र में बिना स्वीकृति के बन रही अवैध कॉलोनी पर प्रशासन ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई की। इस कॉलोनी को दिनेश पाठक, महिपाल सिंह और प्रेमचंद द्वारा विकसित किया जा रहा था, जिसे जैंत पुलिस की मदद से ध्वस्त किया गया। प्रशासन ने बताया कि पिछले वर्ष भी इस कॉलोनी पर बुलडोजर चल चुका था, लेकिन इसके बावजूद अवैध निर्माण फिर से शुरू हो गया था। इस बार की कार्रवाई में तीन मकानों के कॉलम, साइड ऑफिस, नाली, प्लॉटिंग, सड़क और बाउंड्री गेट को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया। विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ने स्पष्ट रूप से कहा कि खादर क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों का निर्माण करने वालों के खिलाफ ऐसे ही बुलडोजर कार्रवाई जारी रहेगी।

इस कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता अशोक कुमार चौधरी, अवर अभियंता दिनेश कुमार, अनिरुद्ध यादव और पुलिस बल भी मौजूद थे। प्रशासन ने यह भी कहा कि ऐसे अवैध निर्माणों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और भविष्य में इस तरह के प्रयासों को विफल कर दिया जाएगा।

छठ से पहले देवराह घाट पर हुई यमुना महारानी की महाआरती

वृंदावन स्थित देवराह घाट पर यमुना महारानी जन्मोत्सव पर आयोजित भजन संध्या एवं महाआरती में भाग लेने आए संत एवं श्री ब्रजवासी पंडा सभा के अध्यक्ष श्याम सुंदर गौतम के साथ अन्य पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। श्री ब्रजवासी पंडा सभा के बैनर तले श्री यमुना छटोत्सव आज से प्रारंभ हो गया। पंडा सभा के सदस्यों ने आज केशीघाट पर श्रमदान कर स्वच्छता अभियान चलाया। सायं को देवराह घाट पर भजन संध्या में गायकों ने भजनों की प्रस्तुति दी। सायं को सिद्धार्थ शुक्ला के आचार्यात्व में देवराह घाट पर यमुना महारानी की महाआरती की। आरती के समय में घाट यमुना महारानी के जयकार से गुंजायमान हो उठा। पंडा सभा के अध्यक्ष श्याम सुंदर गौतम ने बताया कि तीन अप्रैल को सुबह मां यमुना का अभिषेक पूजन, धारा अभिषेक, विद्वत संगोष्ठी, यमुना महारानी की महाआरती, राणापत घाट पर यमुना आरती, छप्पन भोग एवं फूल बंगला सजाया जाएगा। उन्होंने बताया कि कल सायं पांच बजे यमुना मंदिर केशीघाट से गोपीनाथ बाजार रंगजी नगला, चुंगी चौराहा, अनाज मंडी, प्रताप बाजार, लोई बाजार, बनखंडी, अठखंभा, ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर, दुसायत होते हुए यमुना मंदिर काली दह पहुंचकर समाप्त होगी।

वृंदावन में कल सायं को निकलेगी यमुना महारानी की शोभायात्रा

देवरहा घाट पर आयोजित महाआरती कार्यक्रम में संयोजक आशीष गौतम चिंटू, सुभाष गौड़, राघव भारद्वाज, विनीत ब्रजवासी, विवेक गौतम, अजय शर्मा, उद्धव शर्मा, अनिल पाठक, दीनदयाल गौतम, नीरज गौतम, महेश भारद्वाज, हरिओम शर्मा तथा भरत शर्मा आदि उपस्थित थे।

भाई की साली की हत्या कर युवक ने खुद को भी गोली मारी

संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। थाना एत्मादपुर क्षेत्र के गांव रहनकला में बुधवार दोपहर एक सनसनीखेज वारदात हुई। युवक ने पहले एक युवती को गोली मारी और फिर खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से पूरे गांव में हड़कंप मच गया। गांव रहनकला के किशनवीर बिल्डिंग ठेकेदार हैं। बुधवार को वे कुबेरपुर में अपने काम पर गए हुए थे। घर पर उनकी पत्नी सुनीता और बड़े बेटे की पत्नी मौजूद थीं। इसी दौरान उनके दामाद अभिषेक का भाई दीपक घर आ पहुंचा। दीपक के स्वागत के लिए सुनीता चाय बनाने के लिए गई। तभी दीपक ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। कुछ देर बाद कमरे से गोली चलने की आवाज आई। आवाज सुनकर घर के अन्य सदस्य दौड़े, लेकिन दरवाजा अंदर से बंद था। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया, तो वहां का नजारा दिल दहला देने वाला था। युवती और दीपक की लाशें कमरे में पड़ी थीं। पुलिस ने बताया कि युवती के सिर से खून बह रहा था और पास में ही खून से लथपथ दीपक की लाश पड़ी हुई थी। घटनास्थल पर एक तमंचा और दो कारतूस बरामद हुए। इसके बाद पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को बुलाया, जिसने मौके से साक्ष्य एकत्रित किए। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। परिजनों के अनुसार, मृतका का नाम ज्योति था और वह बीटीसी कर रही थी। उसकी बड़ी बहन की शादी 2021 में दीपक के बड़े भाई अभिषेक से हुई थी। वहीं, दीपक गुजरात में पॉलिटेक्निक की पढ़ाई कर रहा था और होली के मौके पर अपने घर आया हुआ था। गांव के लोगों का कहना है कि दीपक पिछले दो वर्षों से ज्योति से शादी करना चाहता था। उसने कई बार ज्योति के परिवार पर शादी के लिए दबाव भी बनाया, लेकिन ज्योति के पिता इस रिश्ते के लिए तैयार नहीं थे। हाल ही में ज्योति के पिता ने उसके लिए रिश्ता देखना शुरू कर दिया था, जिसकी जानकारी दीपक को मिल गई। इससे वह आक्रोशित हो गया और इस खौफनाक घटना को अंजाम दे दिया।

दोनों की मौत, पुलिस ने शवों को भेजा पोस्टमार्टम के लिए

वृंदावन में नवीन टीएफसी निर्माण की योजना स्वीकृत

33.59 करोड़ की लागत से होगा विस्तार, श्रद्धालुओं को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

सीईओ श्याम बहादुर सिंह

यूनिक समय, वृंदावन (मथुरा)। श्रीबाँकेबिहारी जी की नगरी वृंदावन में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद एक और टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर (टीएफसी) का निर्माण करेगा। शासन ने इस विस्तारित परियोजना को स्वीकृति प्रदान कर दी है, जिसके लिए 33.59 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सीईओ श्याम बहादुर सिंह के अनुसार, वर्तमान टीएफसी के पीछे 9818 वर्ग मीटर क्षेत्र में विस्तार किया जाएगा। इसमें 67 कमरों वाली डॉरमेट्री बनाई जाएगी, जिसमें 268 बेड की व्यवस्था होगी। साथ ही, 100 लोगों की क्षमता वाली एक अतिरिक्त डॉरमेट्री भी बनाई जाएगी।

नवीन टीएफसी में श्रद्धालुओं के लिए रेस्टोरेंट की सुविधा होगी, जिसमें 60 लोगों के बैठने की व्यवस्था रहेगी। इसके अतिरिक्त, पाँच दुकानें, आधुनिक डिज़ाइन पर आधारित फूडकोर्ट, कांफ्रेंसिंग हॉल और टॉयलेट ब्लॉक का निर्माण किया जाएगा। वाहन पार्किंग की भी व्यवस्था होगी।

वर्तमान में वृंदावन के पागल बाबा मंदिर के निकट स्थित टीएफसी में 350 लोगों के ठहरने की सुविधा है। इसमें आठ कमरे और छह डॉरमेट्री हैं। श्रद्धालु यहाँ ग्रुप में आकर स्वयं भोजन भी बना सकते हैं, जिसके लिए खुली किचन की सुविधा दी गई है। इस टीएफसी का संचालन उज्ज्वल ब्रज संस्था द्वारा किया जा रहा है।

रेलवे ट्रैक पर मिला अज्ञात युवक का शव

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैंत क्षेत्र के फाटक संख्या 535 के समीप रेलवे ट्रैक पर आज सायं एक अज्ञात युवक का शव मिला। युवक की उम्र लगभग 28 साल बताई जा रही है। मृतक के पास से बोरीवली से नाला सोफार का रेलवे टिकट मिला है, जो उसकी यात्रा की दिशा का संकेत देता है। युवक ने काले रंग की पैंट और सफेद हाफ बाजू की शर्ट पहनी हुई थी, साथ ही रेडीमेट कच्छा भी था। शव के पास एक मोबाइल भी मिला है, लेकिन उसकी टच स्क्रीन टूटी हुई थी, जिससे फोन से संपर्क करना संभव नहीं हो पा रहा है। इसके कारण पुलिस को शव की पहचान में कठिनाई हो रही है। पुलिस को आशंका है कि युवक की मौत किसी चलती ट्रेन से हुई होगी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और पुलिस उसकी पहचान के प्रयास कर रही है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है और शिनाख्त के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बरसाना पुलिस को मिली बड़ी सफलता

इनामी बदमाश के साथ भट्टे पर हुई मुठभेड़, मिली 12 मोटरसाइकिलें

मुठभेड़ के बाद घायल बदमाश को ले जाती पुलिस।

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। बरसाना पुलिस ने एक बाइक चोर को चेकिंग के दौरान गोवर्धन–बरसाना रोड पर गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर कमई रोड पर बंद पड़े भट्टे पर छापा मारा तो वहां ईनामी बदमाश से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। पुलिस की गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। पुलिस ने वहां से 13 बाइक बरामद की है। एसपीआरए त्रिगुण बिसेन ने बताया गोवर्धन–बरसाना मार्ग पर चेकिंग के दौरान पुलिस ने मोटरसाइकिल से जाते साहब सिंह निवासी खुटपुरी थाना कामा राजस्थान को गिरफ्तार किया। उसके पास से पुलिस को बाइक चोरी करने की मास्टर की और एक चाकू भी बरामद हुआ। साहब सिंह ने पुलिस को बताया कि उसका साथी हरिओम कमई के बंद पड़े भट्टे पर कई मोटरसाइकिल लेकर उसका इंतजार कर रहा है। इस जानकारी पर पुलिस जैसे ही भट्टे पर पहुंची पुलिस को देखते ही बदमाश ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। पुलिस की गोली बदमाश के पैर में लगी।

मौके से पुलिस ने हरिओम को दबोच लिया। उसकी गिरफ्तारी पर पुलिस की ओर से पांच हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस ने भट्टे से 13 चोरी की बाइकें एक देशी तमंचा कारतूस बरामद किए हैं। हरिओम पर करीब डेढ़ दर्जन अपराधिक वारदातों के मामले दर्ज हैं।

यूनिक समय की खबर का असर

डीवीआर में कैद तस्वीरें खिला सकती हैं इस मामले में गुल

अंडर ट्रेनिंग सीओ ने भांतू कॉलोनी में छापेमारी की

छापे की खबर लीक होने पर वहां से निकल गए तस्कर

डीवीआर को लेकर तस्करों के चेहरों की उड़ रही हैं हवाईयां

यूनिक समय, कोसीकलां (मथुरा)। कोसीकलां थाने के पीछे भांतू कॉलोनी में हाल ही में नशे की तस्करी करने वालों के बीच इलाके को लेकर हुआ झगड़ा थाने तक पहुंचा था। इसकी खबर यूनिक समय में प्राथमिकता से छापी गई थी। खबर पर संज्ञान लेते हुए सीओ ने कॉलोनी में कल छापे मारी की। सीओ ने वहां लगे कमरे की डीवीआर को अपने कब्जे में ले लिया। डीवीआर को लेकर तस्करी करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है। डीवीआर से यहां नशे की होने वाली बिक्री करने वालों की पोल खुल जाएगी। कोसीकलां की भांतू कॉलोनी में शराब व गांजे आदि की तस्करी करने वाले तीन तस्करों में एक दूसरे के इलाके में शराब व नशीले पदार्थों की बिक्री को लेकर झगड़ा हो गया। झगड़े में इनके बीच मारपीट होने का समाचार यूनिक समय में छापा गया था। इस मामले में अंडर ट्रेनिंग सीओ संजीव कुमार राय ने गंभीरता से लिया। उन्होंने थाने को बताए बगैर कल पुलिस फोर्स को साथ लेकर छापा मारा, लेकिन इसके बावजूद तस्करी करने वालों को इसकी सूचना मिल गई। तस्कर तो वहां से माल के साथ निकल गए। पुलिस को वहां कुछ बरामद नहीं हुआ। सीओ ने वहां लगे कैमरे की डीवीआर को अपने कब्जे में ले लिया। सीओ द्वारा डीवीआर को कब्जे में लिए जाने से शराब और गांजा आदि नशीले पदार्थों की तस्करी करने वालों की पोल खुलना लाजिमी है। इसको लेकर इलाके में जहां इस बात की चर्चा है वहीं तस्करी करने वालों के चेहरों की हवाईयां उड़ी हुई है। देखना यह है कि डीवीआर क्या गुल खिलाती है।

नींबू के साथ इस चीज को मिलाकर दांतों में लगाएं

दिखेगी दूध सी सफेदी, मोतियों जैसी आ जाएगी चमक

यूनिक समय, मथुरा। दांतों का पीलापन हटाने के लिए लोग कई तरीकों को आजमाते हैं। हालांकि, यह कोई बहुत बड़ी समस्या नहीं है, लेकिन कभी–कभी यह आपको परेशान कर सकता है। दांतों के पीलेपन की वजह से लोगों की ओवरऑल पर्सनैलिटी खराब हो सकती है। सफेद दांत हमारी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं। दांत हमारी मुस्कुराहट को और भी ज्यादा आकर्षक बना देते हैं, लेकिन जब आपके दांत पीले होते हैं तो आप किसी के सामने खुलकर हंस भी नहीं पाते। आइए आज हम आपको दांतों का पीलापन हटाने के कुछ घरेलू उपाय बताते हैं।

बेकिंग सोडा और नींबू: बेकिंग सोडा और नींबू दांतों का पीलापन हटाने के लिए बेहद फायदेमंद है। नींबू के रस और बेकिंग सोडा की कुछ बूंदे मिलाकर एक पेस्ट बना लें। इससे दांतों का पीलापन तुरंत कम हो सकता है। नींबू और बेकिंग सोडा का पेस्ट उंगलियों की बजाय टूथ ब्रश की मदद से दांतों पर लगाकर टूथपेस्ट की तरह मल लें और कुछ सेकंड बाद ही मुंह को साफ कर लें। ज्यादा देर बेकिंग सोडा दांतों पर लगाने से मसूड़ों को नुकसान पहुंच सकता है।

कोकोनट ऑयल: कोकोनट ऑयल दांतों का पीलापन हटाने के लिए काफी फायदेमंद है। कोकोनट ऑयल या तिल के तेल को दांतों पर रगड़ने से दांतों का पीलापन दूर होता है। कोकोनट ऑयल का इस्तेमाल करने से दांतों की सड़न से भी बचा जा सकता है। दांतों और मसूड़ों पर कम से कम 5 मिनट नारियल का तेल रगड़ें।

एप्पल साइडर विनेगर : एप्पल साइडर विनेगर भी दांतों का पीलापन हटाने में बेहद मददगार होता है। यह मुंह के अंदर बैक्टीरिया को मारने और दांतों का पीलापन हटाने के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। दांतों का पीलापन हटाने के लिए एप्पल साइडर विनेगर को पानी में मिलाकर इस्तेमाल किया जा सकता है।

सरसों का तेल और नमक: सरसों के तेल में नमक को मिलाकर रगड़ने से दांतों का पीलापन छूट जाता है। अगर आपके दांतों में भी पीलापन आ गया है तो आप भी यह आसान से घरेलू नुस्खे आजमा सकते हैं।

हड्डियों की कमजोरी और दर्द को गायब करेंगी आयुर्वेदिक औषधि

नसों को बनाएंगे लोहे जैसा मजबूत

यूनिक समय, मथुरा। कई लोगों को हड्डियों में कमजोरी की बीमारी होती है। कई बार जॉइंट्स में दर्द, हड्डियों का कमजोर होना और जोड़ों से कट–कट की आवाज आने का सामना करना पड़ सकता है। हड्डियों और जोड़ों में होने वाला रोग आर्थराइटिस यानी गठिया फ्रैक्चर या अन्य कारणों से इन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

गठिया रोग में जोड़ों में दर्द, जकड़न और सूजन रहती है। जिससे चलने–फिरने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। यही नहीं ये सूजन गांठ का रूप भी ले सकती है जो ज्यादा तकलीफदायक साबित होती है। इन लक्षणों के अलावा गठिया होने पर प्रभावित अंग लाल पड़ सकते हैं।

व्यक्ति घुटने, कूल्हे, कंधे, हाथ या पूरे शरीर के किसी भी जोड़ में गठिये का दर्द महसूस कर सकता है। ऐसी स्थिति में आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। गठिया या अन्य किसी कारण से हड्डियों में दर्द या हड्डियों के कमजोर होने पर आप कुछ आयुर्वेदिक हर्ब्स भी ले सकते हैं। आइए आज हम आपको ऐसे आयुर्वेदिक हर्ब्स के बारे में बताते हैं जो हड्डियों को मजबूत करने में फायदेमंद है।

एलोवेरा: हेल्थलाइन में छपी एक खबर के मुताबिक, एलोवेरा एक बेहद पॉपुलर आयुर्वेदिक औषधि है। इसका उपयोग मुख्यतः स्किन के लिए किया जाता है। लेकिन यह जोड़ों के दर्द में भी बेहद फायदेमंद होता है। यह जॉइंट्स के सूजन को कम कर आपको दर्द से राहत देता है। साथ ही यह हड्डियों को मजबूत और लचीला बनाता है। इसे आप जेल के रूप में लगा सकते हैं या फिर इसके जूस या दवाइयों का सेवन कर सकते हैं।

यूकेलिप्टस का तेल: यूकेलिप्टस ऑयल आर्थराइटिस के रोग के लिए बेहद फायदेमंद है। यह जॉइंट्स और बोन्स के दर्द में बेहद कारगर होता है। दर्द वाली जगह में लगाने से दर्द से राहत मिलती है। यह हड्डियों को भी मजबूत बनाता है।

अदरक: जोड़ों के दर्द को कम करने के लिए अदरक बहुत कारगर औषधि है। अदरक का पानी पीने से हड्डियां मजबूत होती हैं। साथ ही यह हड्डियों और जोड़ों के दर्द में बेहद फायदेमंद होता है।

हल्दी: हड्डियों और जोड़ों के दर्द के लिए हल्दी बेहद फायदेमंद हैं। पुराने समय से ही जोड़ों में दर्द होने पर हल्दी का सेवन करते रहे हैं। हल्दी में करक्यूमिन में पाया जाता है। जो जोड़ों के दर्द और सूजन को कम करने का काम करता है। आप हल्दी को दूध या पानी के साथ पी सकते हैं।

ग्रीन टी: ग्रीन टी जोड़ों के दर्द के लिए बेहद फायदेमंद होता है। ग्रीन टी एक लोकप्रिय पेय है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सिडेंट सूजन से लड़ने में मदद करते हैं। यह सूजन को कम कर आपको दर्द से राहत देता है।

कब्ज से छुटकारा पाने के लिए इन चीजों का करें सेवन

यूनिक समय, मथुरा। कब्ज की समस्या इन दिनों आम बनती जा रही है। आयुर्वेद के अनुसार कब्ज मुख्य रूप से वात दोष के असंतुलन (वृद्धि) के कारण होता है और उसके बहुत सारे कारण हो सकते हैं। इन कारणों की बात करें तो असंतुलित भोजन, रूखे, ठंडे, मसालेदार, तले हुए और फास्ट फूड का अधिक सेवन, पर्याप्त पानी नहीं पीना, खाने में फाइबर की कमी, खराब मेटाबॉलिज्म, नींद की समस्या, देर रात का खाना, खराब जीवन शैली ये सभी ऐसे कारण हैं जो कब्ज के लिए विशेष रूप से जिम्मदार होते हैं। कई लोग कब्ज की समस्या से निदान के लिए दवाओं का सेवन भी करते हैं जो सेहत के लिए ठीक नहीं है।

आयुर्वेद के मुताबिक कुछ उपाय ऐसे हैं जिससे कब्ज की समस्या को दूर किया जा सकता है और ये आपकी सेहत के लिए हानिकारक भी नहीं है। तो आइए जानते हैं कब्ज को दूर करने के लिए कुछ सरल आयुर्वेदिक उपायों के बारे में जो आपके घर में ही मौजूद है। खजूर ये मीठे और ठंडे स्वभाव के होते हैं। वात और पित्त को संतुलित करने में मदद करता है और उन्हें कब्ज, हाइपरएसिडिटी, जोड़ों के दर्द, चिंता, बालों के झड़ने और कम ऊर्जा से पीड़ित लोगों के लिए सबसे अच्छा विकल्प बनाता है। 2–3 भीगे हुए खजूर सुबह खाली पेट गर्म पानी के साथ लें। मेथी कब्ज को भी दूर करने में सहायक है।1 टीस्पून मेथी के बीज रात भर भिगोए और सुबह सबसे पहले खा लें। आप बीजों का पाउडर भी बना सकते हैं और सोते समय गर्म पानी के साथ 1 चम्मच मेथी पाउडर ले सकते हैं। अतिरिक्त वात और कफ वाले लोगों के लिए अच्छा है। हालांकि, उच्च पित्त (गर्मी की समस्या) वाले लोगों को इससे बचना चाहिए। गाय का घी आपके मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाता है। यह शरीर में स्वस्थ वसा बनाए रखने में मदद करता है जो विटामिन ए, डी, ई और के जैसे वसा में घुलनशील विटामिन के अवशोषण के लिए आवश्यक है। एक गिलास गर्म गाय के दूध के साथ 1 चम्मच गाय का घी पुरानी कब्ज वाले लोगों के लिए सबसे अच्छा काम करता है। आंवला कब्ज से लेकर कई समस्याओं जैसे बालों का झड़ना, सफेद होना, वजन कम होना जैसे समस्याओं का समाधान करता है। इसे नियमित रूप से सुबह खाली पेट लिया जाता है। आप 1 चम्मच आंवला पाउडर या 3 ताजे आंवले का रस (सर्दियों के दौरान) ले सकते हैं। यह सभी के लिए वात–पित्त–कफ गुणों वाले लोगों के लिए अच्छा है। काली किशमिश फाइबर से भरपूर होती है, जो कब्ज के लिए सहायक है। किशमिश को भिगोना आवश्यक है क्योंकि सूखे खाद्य पदार्थ आपके वात दोष को बढ़ाते हैं और गैस्ट्रिक समस्या पैदा कर सकते हैं।

भिगोने से इन्हें पचाना आसान हो जाता है। सुबह के समय एक मुट्ठी भीगी हुई किशमिश का सेवन करें। यह पित्त प्रधान लोगों के लिए अच्छा विकल्प है।

स्वाद के साथ सेहत के लिए भी गुणकारी है आम

यूनिक समय, मथुरा। गर्मियां वैसे तो परेशान करने वाला मौसम है लेकिन कुछ कारण ऐसे हैं जिसके लिए कई लोग इसका बेसबरी से इंतजार करते हैं। इन्हीं कारणों में एक है आम। फलों के मामले में गर्मियां बेहद खुशनुमा मौसम माना जाता है। कई इस मौसम में रसों से भरे फलों की लिस्ट लंबी हो जाती है। लेकिन आम और लीची ऐसे फल हैं जो लोगों को खासा लुभाते हैं। वहीं, आम की बात करें तो ये फल स्वादिष्ट होने के साथ कई गुणों से भी भरपूर होता है। आम खाने से सेहत से कई फायदे होते हैं। यहां तक कि कुछ आम की किस्में ऐसी हैं जो शुगर के मरीजों के लिए भी फायदेमंद हैं।

आम के इन गुणों के कारण ही अक्सर यह सलाह दी जाती है कि आम को अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। विटामिन ए से भरपूर इस फल को खाने से पाचन से लेकर इम्यूनिटी तक दुरुस्त रहती है। तो आइए जानते हैं कि आम के खाने से आपकी सेहत को क्या–क्या लाभ मिलते हैं।

आम में बीटा–कैरोटीन होता है, जो स्वस्थ त्वचा को बनाए रखने के लिए आवश्यक है। बीटा–कैरोटीन शरीर में विटामिन ए में परिवर्तित हो जाता है, जो स्वस्थ त्वचा, बालों और नाखूनों के लिए लाभदायक है। आम खाने से त्वचा का हानिकारक यूवी किरणों से बचाव होता है। जिसके कारण स्किन पर उम्र के कारण होने वालों प्रभावों को आने से रोकता है।

आम तनाव और चिंता को कम करने में मदद करता है। आम खाने से नींद की गुणवत्ता में सुधार करने में भी मदद मिल सकती है, जो तनाव कम करने और अच्छे सेहत के बेहद जरूरी है। वहीं, आम में मौजूद एमिनो एसिड मस्तिष्क में अल्फा तरंगों के उत्पादन को बढ़ाकर आराम और शांति को बढ़ाने में मदद करता है।

आम फाइबर का बेहतरीन स्त्रोत है, जो अच्छे पाचन के लिए जरूरी है। फाइबर पाचन तंत्र को सुचारू रूप से चलाने, कब्ज को रोकने में मदद करता है। आम खाने से पाचन तंत्र में सूजन को कम करने में मदद मिल सकती है।

आम विटामिन सी से भरपूर होते हैं, जो आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाने में मदद करता है। विटामिन सी सफेद रक्त कोशिकाओं के उत्पादन को उत्तेजित करके आपके शरीर को संक्रमण और बीमारियों से लड़ने में मदद करता है। आम खाने से शरीर में सूजन को कम करने में भी मदद मिलती है, जो गठिया और हृदय रोग जैसी बीमारियों को रोकने में मददगार है।

आम आवश्यक पोषक तत्वों जैसे विटामिन ए और सी, फाइबर, पोटेशियम और एंटीऑक्सिडेंट से भरे होते हैं। ये पोषक तत्व अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं और हृदय रोग, कैंसर और मोटापे जैसी विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं को रोकने में मदद करते हैं। वहीं, आम को विभिन्न व्यंजनों जैसे स्मूदी, सलाद, और यहां तक कि दलिया या दही के लिए टॉपिंग के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। यह आपके खाने के स्वाद को बढ़ा देता है।

सम्पादकीय

टोल के जाल से मुक्त कराने के प्रयास भी हों

देश में एक अप्रैल से टोल दरों में परिवर्तन हो गया है। टोल की दरें आधा प्रतिशत से लेकर दस प्रतिशत तक बढ़ाई गई हैं। जब देश में टोल की कहानी शुरू हुई तो कहा गया था कि सड़क निर्माता कंपनी निर्माण लागत राशि वसूलने के बाद टोल वसूली बंद कर देगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सड़क निर्माण की लागत से भी ज्यादा की टोल वसूली हो रही है। जयपुर–दिल्ली नेशनल हाईवे इसका उदाहरण है। केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने पिछले दिनों संसद में इस बात को स्वीकार किया था कि पिछले सोलह वर्ष में इस मार्ग पर मंत्रालय ने सड़क बनाने के काम में 8919 करोड़ रुपए खर्च किए, जबकि टोल वसूली इससे कहीं ज्यादा 11945 करोड़ हो चुकी है। मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार गत पांच वर्ष में देशभर के टोल प्लाजा से कुल 1.93 लाख करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं। यह बात सच है कि देश में एक्सप्रेस–वे, आठ लेन, सिक्स लेन और हाईवे के निर्माण से आवागमन सुगम हुआ है। आला दर्जे के बुनियादी ढांचे के लिए टोल प्रणाली जरूरत सी बन गई है। राजमार्गों के निर्माण में निवेश करने वाली कंपनियां सड़कें भी आला दर्जे की बनाएं, यह भी उमीद की जाती है। चिंता की बात यह है कि आधी–अधूरी सड़कों पर भी टोल वसूली जारी रहती है।

पवन गौतम
संपादक

जम्मू–कश्मीर एवं लद्दाख हाईकोर्ट के नेशनल हाईवे–44 के संबंध में दिया गया निर्णय इस संबंध में महत्त्वपूर्ण है, जिसमें उसने अधूरे बने हिस्से पर वसूली जा रही टोल राशि को 80 फीसदी तक घटाने के निर्देश दिए। हाईवे पर जहां–जहां भी निर्माण चल रहे हों और सड़कें टोल वसूली के पैमाने पर खरी नहीं उतरती हों, वहां भी टोल की दरें घटाई जानी चाहिए। सड़क निर्माण की लागत से ज्यादा टोल वसूली हो रही हो, टोल टैक्स देने के बावजूद क्षतिग्रस्त सड़कें हादसों का कारण बन रही हों और हाईवे पर घायलों को त्वरित उपचार का बंदोबस्त नहीं हो तो चिंता होना स्वाभाविक है।

टोल वसूली में राहत देने के बजाय साल दर साल टोल की दरें बढ़ाने को तो मनमानी ही कहा जाएगा। टोल रोड पर गुणवत्तापूर्ण सड़कें बनें। इनकी डिजाइन इंडियन रोड कांग्रेस के तय मानकों से तो हो ही, लेन सिस्टम की पूरी तरह पालना होना भी जरूरी है।

हाल ही टोल वसूली में घोटाला भी उजागर हुआ है, जिसमें देशभर के 42 टोल नाकों पर एक सॉफ्टवेयर के माध्यम से अवैध वसूली का खेल सामने आया था। हालांकि ऐसे मामले भी सामने आए हैं जहां खासतौर से मालवाहक वाहन पुरानी सड़कों के वैकल्पिक मार्ग तलाश कर टोल बचा रहे हैं। सड़क की लागत वसूल होने पर टोल खत्म करने के बजाय अब टोल नाकों पर बिना रुके ऑटोमेटिक टोल वसूली की बातें की जा रही हैं। टोल के जाल से मुक्त कराने और टोल वसूली में मनमानी पर अंकुश लगाने के प्रयास तो कहीं नहीं दिखते। टोल वसूली कब तक पूरी तरह खत्म कर दी जाएगी, इसकी भी कोई न कोई अवधि तो तय होनी ही चाहिए।

नजरिया

संघ–भाजपा में तालमेल से जुड़े सुखद संकेत

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री मोदी के संघ मुख्यालय के दौरे पर जहां विपक्ष बौखला रहा है वहीं इस यात्रा ने संघ के भीतर भी कई लोगों को सुखद आश्चर्य में डाल दिया है। मोदी दीक्षाभूमि भी गए, जहां डॉ. बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर ने 1956 में अपने हजारों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपनाया था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के 25 साल बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय के अंगने में पहुंचकर संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के स्मारक स्मृति मंदिर में श्रद्धांजलि दी, जिससे संघ एवं भाजपा के बीच एक नई तरह की ऊर्जामयी सोच एवं समझ विकसित हुई है। एक नई प्राणवान ऊर्जा का सूरज उगा है, नये संकल्पों को पंख लगे हैं। संघ के सौ वर्ष पूरे करने के ऐतिहासिक अवसर पर मोदी ने सही कहा कि संघ भारत की अमर संस्कृति का आधुनिक अक्षय वट है, जो निरंतर भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को ऊर्जा प्रदान कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने 34 मिनट की संबोधन में देश के इतिहास, भक्ति आंदोलन, इसमें संतों की भूमिका, संघ की निःस्वार्थ कार्य प्रणाली, देश के विकास, युवाओं में धर्म–संस्कृति, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शिक्षा, भाषा और प्रयागराज महाकुंभ की चर्चा करते हुए जहां नये बन रहे भारत की बानगी प्रस्तुत की, वही संघ की उपयोगिता एवं महत्व को चार–चांद लगाये। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की संघ के मुख्यालय की इस पहली यात्रा के गहरे निहितार्थ भी हैं तो दूरगामी परिदृश्य भी है। जो इस बात का संकेत है कि पिछले आम चुनाव के दौरान संघ व भाजपा के रिश्तों में जिस खटास को अनुभव किया गया था, वह संवाद, समझ, सकारात्मक सोच व संपर्क से दूर कर ली गई है। जो इस बात का भी संकेत है कि आने वाले वक्त में भाजपा व सरकार के अहम फैसलों में संघ की भूमिका बढ़ेगी, जिससे देश हिन्दू राष्ट्र के रूप में सशक्त होते हुए विश्व गुरु बनने के अपने संकल्प को पूरा कर सकेगा। वसुधैव कुटुम्बकम के भारत के उद्घोष को अधिक सार्थक करते हुए दुनिया के लिये एक रोशनी बनेगा।

यह सर्वविदित है कि मोदी भी संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं। साथ ही वे संघ की रीति–नीतियों से भली–भांति परिचित हैं। लेकिन पिछले आम चुनाव के दौरान भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के कुछ अतिश्योक्तिपूर्ण एवं अहंकारी बयानों से भाजपा का कद संघ से बड़ा बताने की कोशिशें हुई थी, जिसके चलते संघ व भाजपा के रिश्तों में कुछ कसक एवं खटास देखी गई। जिसका असर लोकसभा चुनाव में चार सौ पार के लक्ष्य पर पड़ा, उसके मूल में संघ कार्यकर्ताओं की उदासीनता रही है। बाद में दोनों के रिश्ते सामान्य होने के बाद हरियाणा, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ एवं दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जो आशातीत सफलता हाथ लगी, कहा जा रहा था कि उसमें संघ कार्यकर्ताओं का समर्पण व सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण घटक रहा। अब संघ मुख्यालय में प्रधानमंत्री की यात्रा से यह तथ्य भी उजागर हुआ कि दोनों की रीतियों–नीतियों फिर से बेहतर तालमेल स्थापित हुआ है। इसका असर आने वाले दिनों में भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में संघ की भूमिका को लेकर देखने को मिलेगा, ऐसा ही असर बदलते वक्त के साथ पार्टी के अन्य फैसलों पर भी नजर आ सकता है। आने वाले समय में भाजपा के लिये संघ का सहयोग पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में अपनी जमीन मजबूत करने एवं जड़े जमाने में मील का पत्थर साबित होगा। इन राज्यों में संघ अपनी आधार भूमि को विस्तार दे रहा है। यानी दोनों अब सामंजस्य, सहयोग व सहजता के साथ आगे बढ़ेंगे। अर्थात भाजपा अब अपने वैचारिक एवं ऊर्जा स्त्रोत के साथ बेहतर तालमेल करके चलना चाहेगी। मोदी की नागपुर यात्रा के अनेक शुभ संकेत देखे जा रहे हैं, इसको औरंगजेब, राणा सांगा, संभल विवाद के बीच हिन्दुत्व की राजनीति को नई धार देने की कोई योजना के साथ जोड़कर भी देखा जा रहा है, नरेन्द्र मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत की इस मुलाकात को 2029 के चुनावों की कोई नई पटकथा तैयार करने की पृष्ठभूमि में भी देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी के संघ मुख्यालय के दौरे पर जहां विपक्ष बौखला रहा है वहीं इस यात्रा ने संघ के भीतर भी कई लोगों को सुखद आश्चर्य में डाल दिया है। मोदी दीक्षाभूमि भी गए, जहां डॉ. बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर ने 1956 में अपने हजारों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपनाया था। उन्होंने दीक्षाभूमि की सामाजिक न्याय और दलितों को सशक्त बनाने के प्रतीक के रूप में सराहना करते हुए डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के सपनों के भारत को साकार करने के लिए और भी अधिक मेहनत करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहरा कर सबका दिल जीत लिया।

मोदी की ओर से नागपुर में अपने संबोधन के दौरान संघ की भरपूर प्रशंसा को अपने वैचारिक मार्गदर्शक के प्रति भाजपा के रुख में आये बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। मोदी ने संघ की 'राष्ट्र निर्माण और विकास में रचनात्मक भूमिका' को रेखांकित करके अपनी '2047 तक विकसित भारत' की योजनाओं में संघ की भूमिका के महत्व को भी दर्शाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रयागराज में हाल ही में संपन्न महाकुंभ मेले में "महत्वपूर्ण भूमिका" निभाने के लिए भी स्वयंसेवकों को श्रेय दिया था। इसके अलावा, हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों पर आरएसएस द्वारा की जाने वाली सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने पर लगाए गए प्रतिबंध को भी हटा दिया गया था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने जीवन–संकल्पों एवं विचार–ऊर्जा के जिस आंगन में आठ वर्ष की आयु में कदम रख कर जीने की कला सीखी। उस संघ से संस्कार ग्रहण कर ही उनके दिल में राष्ट्रभक्ति की ज्योति प्रज्ज्वलित हुई। उसी संघ के आंगन में नरेन्द्र मोदी के जाने पर अलग–अलग कयास लगाने एवं स्तरहीन राजनीति करने की जरूरत नहीं है। इस पर ज्यादा आश्चर्य भी जताने का कोई औचित्य इसलिये नहीं है कि कोई अपने घर, अपने संस्कार–भूमि एवं अपनी पवित्र पाठशाला में गया है। संघ उनकी राजनीति की आत्मा तो है ही, जीवन–संस्कारदाता भी है। उनका संघ से रिश्ता दशकों पुराना है। नरेन्द्र मोदी के साथ संघ भी हमेशा चट्टान की तरह खड़ा रहा है। खुद को संघ के प्रचारक मानने वाले मोदी समय–समय पर संघ की तारीफ करने में नहीं चूकते। हाल ही में तीन बड़े मौके आये जब मोदी ने अपने जीवन को सही मार्गदर्शन देने के लिए संघ का आभार जताया और इस सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन की भरपूर प्रशंसा की। प्रधानमंत्री ने नागपुर में भी संघ को एक ऐसे संगठन के रूप में संदर्भित किया जिसने 'समर्पण और सेवा के उच्चतम सिद्धांतों को कायम रखा।'

निश्चित ही संघ दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवी गैर–राजनीतिक संगठन है। हिन्दू धर्म एवं संस्कृति की रक्षा उसका मूल उद्देश्य है। संघ की स्थापना राष्ट्रवादी आंदोलन को एक मजबूत सांस्कृतिक आधार देने के लिए की गई थी। हमारी सदियों पुरानी प्राचीन सभ्यताएं जो धर्म, अहिंसा और भक्ति के सिद्धांतों पर आधारित थी उपनिवेशवाद के शोर में अपनी आवाज खो रही थी, हिन्दू समाज पर रह–रह की हमले हो रहे थे, हिन्दू एवं सनातन संस्कृति को सलक्ष्य कुचलने के प्रयास से हिन्दू समाज भयभीत था एवं लगातार कमजोर हो रहा था, इन जटिल स्थितियों में भारत के लोगों को एक सांस्कृतिक छत्र के नीचे एकजुट करने का प्रयास संघ ने प्रभावी ढंग किया और यह उन अभिजात्य लोगों को बहुत पसंद नहीं आया, जिन्होंने अपनी सांस्कृतिक पहचान को त्याग कर अपनी विदेशी शिक्षा और पश्चिमी मूल्यों के सम्पर्क में पश्चिम की नकल करने के पक्ष में थे। इन्हीं भारत विरोधी लोगों ने संघ पर तरह–तरह के प्रतिबंध भी लगाये, लेकिन उनके आरोप पूरी तरह निराधार पाये गये।

संघ अपनी सकारात्मक सोच, सेवा एवं समर्पण के बल पर निरन्तर आगे बढ़ता रहा। संघ का एक ही भाव था कि बतौर राष्ट्र भारत पुनः सशक्त स्थिति में आए जहां वह दुनिया का मार्ग दर्शन कर सके लेकिन इसके लिए पहले भारतीय समाज का रूपांतरण होना जरूरी था। समाज के रूपांतरण के लिए संघ ने दैनिक शाखाओं के जरिए व्यक्ति निर्माण का काम शुरू किया था। संघ के स्वयं सेवक एवं 40 से अधिक परियोजनाएं जीवन के हर क्षेत्र में सेवा करके मां भारती की सेवा कर रहे हैं। कौन नहीं जानता कि 1947 में संघ के स्वयंसेवकों ने कश्मीर सीमा पर बगैर किसी प्रशिक्षण के पाकिस्तान सेना की गतिविधियों पर नजर रखी थी और पाकिस्तान से जान बचाकर आए शरणार्थियों के लिए शिविर लगाए, भोजन की व्यवस्था की थी। 1962 में भारत–चीन हमले के दौरान सैनिक आवाजाही मार्गों की यातायात व्यवस्था, रसद और आपूर्ति में मदद स्वयंसेवकों ने की थी। सेवा के साथ–साथ राष्ट्रीयता के मजबूत इरादों की तमाम चुनौतियों के बावजूद संघ लगातार विस्तार पाते हुए वृक्ष से वटवृक्ष बनने की ओर अग्रसर है।

विचार विण्डो

कन्याओं को पूजिये भी, आत्मसुरक्षा भी सिखाइए

अशोक मधुप

भारतीय समाज में फैली दहेज की कुप्रथा के कारण गर्भ में ही बालिका भ्रूण मारे जाने लगे। परिवार में ही आसपास ने नाते, रिश्तेदारों और अन्यों द्वारा छुटपन से बेटियों के साथ छेड़छाड़, यौन शोषण चलता रहा। देश में चेतना आई, शिक्षा का स्तर बढ़ा पर महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध कम नहीं हुए।

रविवार से चैत्र नवरात्र शुरू हो गए हैं। नवरात्र में अधिकांश हिंदू परिवार घर में मां के कलश की स्थापना करते हैं। इन नौ दिन उपवास रखकर देवी के विभिन्न रूपों की पूजा की जाती है। देवी स्परूपा कन्याओं को पूजा जाता है। उन्हें जिमाया जाता है। वस्त्रादि भेंट किए जाते हैं। ये परंपरा सदियों से चली आ रही है। सदियों से चली आ रही इस परम्परा में वक्त के हिसाब से अब सुधार की जरूरत है। आज जरूरत है कि हम कन्याओं को पूजे और जिमाएं ही नहीं। उन्हें शिक्षित भी करें। उन्हें आज के समय और परिस्थिति में जीने के अनुकूल बनाए। आत्मसुरक्षा भी सिखाए। उन्हें गुड टच और बेड टच से अवगत भी कराएं। कन्याओं को आज के समाज में शान और सम्मान के साथ जीने के योग्य बनाएं। ज्यादती के खिलाफ बोलना भी बताएं। ज्यादती का मुकाबला भी करना सिखाएं।

नवरात्र देश भर में अलग-अलग रूप में मनाए जाते हैं। पूजा अर्चन की जाती है। सबका तात्पर्य यह ही है कि देवी शक्ति की पूजा कर हम उनसे अपने और समाज के कल्याण का आशीर्वाद मांगे। स्वस्थ समाज की मांग करें। ये सब कुछ सदियों से चला आ रहा है। आज समय की मांग है कि हम आगे बढ़े। वक्त की जरूरत के साथ परिवर्तन करें।

आज देश की देवियां, महिलाएं, मातृशक्ति विकास के हर क्षेत्र में अपना योगदान कर रही हैं। कार तो बहुत समय से चलाती रही हैं। अब ये आटो, ट्रक, ट्रेन, मालगाड़ी भी चलाने लगीं हैं। ये प्लेन उड़ा रही हैं। अब तो सेना में जाकर बार्डर की हिफाजत भी महिलाएं कर रही हैं। आधुनिकतम लड़ाकू विमान भी उड़ा रहीं हैं। उन्हें नियंत्रित भी कर रही हैं।

कभी गाना, बजना, नाचना महिलाओं की कला मानी जाती थी। उसमें उन्हें पारंगत करने के साथ-साथ पुराने समय से परिवार की बेटियों को सिलाई, कढ़ाई, बुनाई, अनाज पिसाई, छनाई के साथ घर के कामकाज भोजन बनाने में आदि में निपुण किया जाता था। ताकि वह समय की जरूरत के हिसाब के शादी के बाद अपने परिवार को संभाल सकें। इस समय शिक्षा पर उतना जोर नही था। परिवार की जरूरतें बढ़ी तो पढ़ी -लिखी महिलाएं घर की चाहरदीवारी से निकलीं। नौकरी करने लगीं। बिजनेस में परिवार को सहयोग देने लगीं। समय बदला।

महिलाएं आज शिक्षित हो सभी क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं। नौकरी के लिए अकेली युवती का विदेश जाना अब आम हो गया। पैरा मिलेट्री फोर्सेज में योगदान करने के साथ आज वह सेना में आकर देश सीमाओं को सुरक्षित बनाने और शत्रु से लोहा लेने में भी लगी हैं।

समय के साथ-साथ समाज की प्राथमिकताएं भी बदलीं। नहीं बदला तो महिलाओं और युवतियों के शोषण का सिलसिला। भारतीय समाज में फैली दहेज की कुप्रथा के कारण गर्भ में ही बालिका भ्रूण मारे जाने लगे। परिवार में ही आसपास ने नाते, रिश्तेदारों और अन्यों द्वारा छुटपन से बेटियों के साथ छेड़छाड़, यौन शोषण चलता रहा। देश में चेतना आई, शिक्षा का स्तर बढ़ा पर महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध कम नहीं हुए। हाल ही में राष्ट्रीय महिला आयोग ने सूचित किया कि वर्ष 2021 के प्रारंभिक आठ महीनों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की शिकायतों में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 46 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

राष्ट्रीय महिला आयोग को साल 2021 में महिलाओं के खिलाफ अपराध की करीब 31,000 शिकायतें मिलीं थी जो 2014 के बाद सबसे ज्यादा हैं। इनमें से आधे से ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश के थे। महिलाओं के खिलाफ अपराध की शिकायतों में 2020 की तुलना में 2021 में 30 प्रतिशत का इजाफा हुआ था। साल 2020 में कुल 23,722 शिकायतें महिला आयोग को मिली थीं। राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 30,864 शिकायतों में से, अधिकतम 11,013 सम्मान के साथ जीने के अधिकार से संबंधित थीं। घरेलू हिंसा से संबंधित 6,633 और दहेज उत्पीड़न से संबंधित 4,589 शिकायतें थीं। सबसे अधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की सबसे अधिक 15,828 शिकायतें दर्ज की गईं, इसके बाद दिल्ली में 3,336, महाराष्ट्र में 1,504, हरियाणा में 1,460 और बिहार में 1,456 शिकायतें दर्ज की गईं। आयोग के आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं के शील भंग या छेड़छाड़ के अपराध के संबंध में 1,819 शिकायतें मिली हैं। बलात्कार और बलात्कार की कोशिश 1,675 शिकायतें, महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता की 1,537 और साइबर अपराधों की 858 शिकायतें मिली हैं। ये वे शिकायत हैं जो रजिस्टर होती हैं1 इससे कई गुनी शिकायत तो दर्ज ही नही होती। परिवार का सम्मान बताकर, युवती की स्मिता की बातकर घटनांए दबाली जाती हैं।

अब तक बच्चियों को गाने–बचाना, डांस करने के वीडियो सामने आते थे। हाल ही में एक वीडियो सामने आया जिसमें एक पिता अपनी बेटी को लाठी चलाना सिखा रहा है। इस छोटे से वीडियों को बहुत पसंद किया गया। आज समय की मांग है कि परिवार विशेषकर मां बेटी को बचपन से गुड टच और बैड टच से अवगत कराए। इनका अंतर बताए। कहीं कुछ घर के आसपास, स्कूल में, स्कूल बस में अगर ऐसा होता है तो वह घर आकर बतांए। बेटी अब घर की देहरी के अंदर तक ही सीमित नही रह गई है। वह कार्य के लिए घर से बाहर निकल रही है। ट्रेन में, बस में अकेले सफर कर रही है। नौकरी के लिए सात समुंद पार जा रही है। ऐसे में जरूरत है उसे आत्मसुरक्षा की जानकारी देने की। जूडे-कराटे सिखाने की। आत्मसुरक्षा में निपुण करने की, ताकि वह विपरीत परिस्थिति में अपना बचाव कर सके। अगर ऐसा होगा तो छेड़छाड़ करने वाले के भय से युवती को आत्महत्या नही करनी पड़ेगी। जबकि आज इस तरह की रोज अखबारों में खबर आ रही हैं।

नमक की अधिक मात्रा शरीर को कर देती है धीरे-धीरे खोखला

यूनिक समय, नई दिल्ली। नमक खाने का स्वाद बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती है, लेकिन इसका अधिक सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

खाने का स्वाद नमक के बिना अधूरा होता है, इस बात से आप काफी अच्छी तरह से वाकिफ होंगे। वहीं, यह हमारे शरीर के लिए भी जरूरी है, लेकिन लेकिन जरूरत से अधिक नमक का सेवन किया जाए तो यह गंभीर समस्याओं को भी दावत दे सकती है। इसलिए नमक का सेवन सीमित मात्रा में ही करने की सलाह दी जाती है। बता दें कि नमक का प्रमुख घटक सोडियम है, जो शरीर में फ्लुइड बैलेंस बनाए रखने में असरदार होता है। साथ ही नमक के सेवन से नसों तथा मांसपेशियों के कार्य को बेहतर किया जा सकता है। लेकिन अगर आप रोजाना जरूरत से अधिक नमक खाते हैं, तो इससे नुकसान होने की भी संभावना होती है।

बढ़ता है हार्ट डिजीज का खतरा: अगर आप प्रतिदिन जरूरत से अधिक नमक खाते हैं, तो इससे ब्लड में सोडियम की मात्रा काफी ज्यादा बढ़ जाती है, जिससे ब्लड वेसेल्स सिकुड़ने लगते हैं। ऐसे में ब्लड प्रेशर बढ़ने की संभावना होती है। इससे हार्ट अटैक, स्ट्रोक जैसी समस्याओं का खतरा भी रहता है।

किडनी पर पड़ता है असर: किडनी हमारे शरीर का अभिन्न अंग है, जो शरीर से अतिरिक्त सोडियम और पानी को निकालने का कार्य करती है। अगर आप ज्यादा नमक खाते हैं, तो किडनी पर अधिक दबाव पड़ने लगता है। ऐसे में किडनी सही ढंग से कार्य नहीं कर पाती है, जिसकी वजह से किडनी फेलियर और किडनी स्टोन जैसी समस्याएं बढ़ने का खतरा रहता है।

हड्डियां हो सकती हैं कमजोर: जरूरत से अधिक नमक खाने से शरीर में कैल्शियम की कमी हो सकती है, जिससे आपकी हड्डियां कमजोर हो सकती हैं। इस स्थिति में व्यक्ति में ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए अगर आप हड्डियों को मजबूत बनाए रखना चाहते हैं, तो सीमित मात्रा में नमक खाएं।

पेट की परेशानी बढ़ने का खतरा: काफी अधिक मात्रा में नमक का सेवन करने से मरीजों को गैस्ट्रिक अल्सर और पेट के कैंसर का खतरा बढ़ा सकता है। मुख्य रूप से नमक से भरपूर प्रोसेस्ड फूड और अचार जैसे खाद्य पदार्थों का काफी अधिक मात्रा में सेवन करने से आपकी परेशानी बढ़ सकती है।

बढ़ सकती है सूजन: नमक का सीमित मात्रा से अधिक सेवन करने से शरीर में अतिरिक्त पानी जमा होने लगता है, जिससे हाथ, पैर और चेहरे पर सूजन आने लगती है। इस स्थिति को वॉटर रिटेंशन कहा जाता है, जिससे मरीजों को असहजता महसूस होती है। साथ ही वजन बढ़ने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

कितनी मात्रा में करें नमक का सेवन करना चाहिए?: हर एक व्यक्ति को रोजाना 5 ग्राम (लगभग 1 चम्मच से कम) से अधिक नमक का सेवन नहीं करना चाहिए। कोशिश करें कि प्रोसेस्ड फूड, फास्ट फूड और अधिक नमक वाले खाद्य पदार्थों का सेवन न करें। खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए हर्ब्स और मसालों का प्रयोग करें।

कैसे करें नमक का सेवन नियंत्रित?: प्रोसेस्ड फूड (पैकेट वाले स्नेक्स, अचार, चिप्स) से बचें।

नमक का हेल्दी विकल्प जैसे काला नमक, सेंधा नमक या हर्ब्स का उपयोग करें। घर का बना ताजा भोजन करें और खाने में कम नमक डालने की आदत डालें।

अगर आप पहले से ही हाई ब्लड प्रेशर, किडनी की बीमारी या हृदय रोग से पीड़ित हैं, तो नमक के सेवन को और भी कम करने की जरूरत है। सही डाइट और जीवनशैली अपनाकर आप इन समस्याओं से बच सकते हैं।

मिट्टी से नहाने के होते हैं गजब फायदे

यूनिक समय, नई दिल्ली। मिट्टी से नहाना एक प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति है, जिससे स्वास्थ्य को कई फायदे हो सकते हैं। गर्मियों में मिट्टी से नहाना एक प्राचीन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति है। यह स्वास्थ्य के लिए काफी लाभकारी मानी जाती है। मिट्टी में मौजूद मिनरल्स शरीर को डिटॉक्स करने के साथ-साथ स्किन को साफ करने में मददगार साबित हो सकते हैं। इससे स्वास्थ्य को कई लाभ हो सकते हैं। आज के समय में केमिकलयुक्त प्रोडक्ट्स के बजाय मिट्टी से स्नान करना आपके स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हो सकता है। यह न सिर्फ स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, बल्कि आपके बालों और स्किन को भी कई फायदे पहुंचाता है।

बॉडी करे डिटॉक्स: मिट्टी में कई प्राकृतिक तत्व होते हैं, जो हमारे शरीर से हानिकारक टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद कर सकते हैं। दरअसल, जब हम मिट्टी से नहाते हैं, तो यह शरीर में मौजूद अशुद्धियों को सोख लेती है और स्किन के रोमछिद्रों को खोलती है। इससे शरीर डिटॉक्स होता है और स्किन को ताजगी मिलती है।

स्किन को रखे स्वस्थ: मिट्टी आपकी स्किन के लिए प्राकृतिक स्क्रबर की तरह कार्य करती है, जिससे स्किन के डेड सेल्स को हटाने में मदद मिल सकती है। इससे स्किन की रंगत निखरती है। इससे स्किन अधिक सॉफ्ट होती है। साथ ही मिट्टी स्किन के अतिरिक्त ऑयल और गंदगी को साफ कर सकता है।

सूजन और दर्द से आराम: मिट्टी में प्राकृतिक एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो शरीर में होने वाली सूजन और दर्द को कम कर सकता है। इतना ही नहीं, इससे स्किन पर होने वाली खुजली और जलन जैसी समस्याओं को भी दूर किया जा सकता है। गर्मियों में ठंडी मिट्टी से स्नान करने से शरीर को ठंडक मिलती है, जो शरीर में होने वाली जलन को शांत करता है।

तनाव करे कम: मिट्टी से नहाने से आपके शरीर की थकान दूर हो सकती है। यह शरीर को गहराई से आराम पहुंचाते हैं। अगर आप नियमित रूप से मिट्टी से नहाते हैं, तो इससे मांसपेशियों में राहत मिलती है और दिमाग शांत हो सकता है। यह एक तरह की प्राकृतिक थेरेपी है, जो तनाव और एंग्जायटी को कम कर सकता है।

ब्लड सर्कुलेशन को दे बढ़ावा: मिट्टी से नहाने से स्किन के रोमछिंद्र खुलते हैं। जिससे स्किन में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। यह शरीर को ऑक्सीजन और पोषक तत्व पहुंचाने में काफी हद तक मददगार हो सकता है। साथ ही स्किन और मांसपेशियों को मजबूती मिलती है।

विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस

बच्चों को होता है ऑटिज्म का सबसे ज्यादा रिस्क

यूनिक समय, नई दिल्ली। विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस हर साल 2 अप्रैल को मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य ऑटिज्म के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

हर साल 2 अप्रैल को विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के रूप में मनाया जाता है ताकि ऑटिज्म के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके और समाज में इसकी स्वीकार्यता बढ़े ताकि बढ़ी हुई जागरूकता के साथ बच्चों में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर का सही और जल्दी निदान किया जा रहा है।

क्या होता है ऑटिज्म?: ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर ब्रेन ग्रोथ से संबंधित होता है। जो बच्चे ऑटिज्म से प्रभावित होते हैं, उन्हें सामाजिक व्यवहार में और अन्य लोगों से बातचीत करने में मुश्किलें होती हैं। सरल भाषा में कहें तो इस डिसऑर्डर में बच्चे को कम्यूनिकेट करने में लैग्वेंज डेवलप करने में या सोशली इंटरेक्ट करने में परेशानी आती है। ये बच्चे न तो किसी से अपनी बात ठीक से कह पाते हैं और न ही दूसरों की बात ठीक से समझ पाते हैं। ऐसे बच्चे खुद में ही रहना पसंद करते हैं और बार-बार एक ही एक्टिविटी को दोहराते हैं।

विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस का इतिहास : 18 दिसंबर 2007 को आयोजित 76वीं पूर्ण बैठक में संयुक्त राष्ट्र ने 2 अप्रैल को विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस मनाने का फैसला लिया गया था, जिसके बाद से विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस 2 अप्रैल को हर साल मनाया जाने लगा। दुनिया भर में ऑटिस्टिक व्यक्तियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए कदम उठाया गया था।

ऑटिज्म के रिस्क फैक्टर : ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर होने का एक कारण जेनेटिक हो सकता है, जो परिवारों से बच्चों तक आ सकता है।

कई स्टडी में पाया गया है कि, जुड़वां बच्चों में, यदि एक बच्चे को ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर है, तो दूसरे बच्चे को भी ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर होने की 36-95% संभावना होगी।

ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर से पीड़ित बच्चों के भाई-बहनों में भी यह डिसऑर्डर होने का जोखिम 2% से 8% तक होता है।

अगर माता-पिता में किसी मनोरोग संबंधी विकारों से जूझ रहे हैं, तो ऐसी स्थिति में बच्चों में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर होने का खतरा हो सकता है।

जिन बच्चों का जन्म समय से पहले यानी 2500 ग्राम में हो जाता है, तो ऑटिज्म का खतरा 2 गुना बढ़ जाता है।

क्लोरपाइरीफोस जैसे कीटनाशकों के संपर्क में आने से भ्रूण में ऑटिज्म का खतरा बढ़ जाता है।

गर्भवती महिलाएं जिनका पहला और दूसरा ट्राइमेस्टर चल रहा है, वह अगर इस दौरान वायरल या जीवाणु संक्रमण के संपर्क में आती है, तो इससे, उनके बच्चों में ऑटिज्म सहित न्यूरोसाइकाइट्रिक रोगों का खतरा 13% तक बढ़ जाता है।

ज्यादा प्रोटीन का सेवन करना हो सकता है खतरनाक

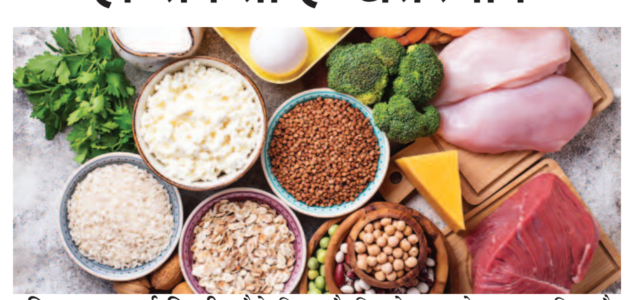

यूनिक समय, नई दिल्ली। जैसे कि हम सब जानते हैं प्रोटीन हमारी सेहत के लिए बहुत जरूरी पोषक तत्व है। लेकिन क्या आप इससे वाकिफ हैं कि जरूरत से ज्यादा प्रोटीन लेने से शरीर को नुकसान हो सकता है। जी हां आजकल के लोग हाई-प्रोटीन डाइट को हेल्दी मानकर अधिक मात्रा में प्रोटीन का सेवन करने लगे हैं। लेकिन आपको बता दें कि इसका उल्टा असर भी हो सकता है। अगर आप भी उन ही लोगों में से हैं जो अनुसार ज्यादा प्रोटीन का सेवन कर रहे हैं तो सावधान हो जाइए ये आपकी सेहत को भारी नुकसान पहुचा सकता है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट : हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि अगर आप सामान्य प्रोटीन का सेवन कर रहे हैं तो सही है, लेकिन अगर आप अधिक मात्रा में प्रोटीन खा रहे हैं तो इससे किडनी और बाकी सेहत पर असर पड़ सकता है, जो आपकी सेहत पर काफी खराब असर डाल सकता है।

किडनी पर पड़ता है असर : प्रोटीन का अधिक मात्रा में सेवन करने से आपकी किडनी को नुकसान पहुंच सकता है क्योंकि किडनी को आपके अंदर जमा होने वाले वेस्ट प्रोडक्ट्स को बाहर निकालने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। ज्यादा प्रोटीन खाने से पेट में एसिडिटी एनवायरनमेंट बन जाता है जिससे आपको ज्यादा यूरिन और किडनी स्टोन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

वजन बढ़ना : माना जाता है कि हाई-प्रोटीन डाइट शरीर से एक्स्ट्रा फैट और वजन घटाने में मदद करता है, लेकिन अगर आप जरूरत से ज्यादा प्रोटीन ले रहे हैं तो ये उल्टा असर कर सकता है। क्योंकि शरीर जरूरत से ज्यादा प्रोटीन को फैट में बदलकर स्टोर करता है जिससे वजन तेजी से बढ़ने लगता है।

डिहाइड्रेशन : अगर आप बहुत अधिक मात्रा में प्रोटीन ले रहे हैं, तो इससे आपको डाइजेस्टिव इश्यू हो सकती है जैसे कि कब्ज। ऐसे में रोजाना सीमित मात्रा में ही प्रोटीन से भरपूर चीजों का सेवन करें।

हड्डियों पर असर : शरीर में ज्यादा प्रोटीन लेने से कैल्शियम की कमी हो जाती है, जिससे हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। अधिक मात्रा में प्रोटीन लेने से यूरिन के जरिए कैल्शियम ज्यादा निकलता है, जिससे हड्डियों की कमजोरी का खतरा बढ़ सकता है।

हार्ट डिजीज : ज्यादा प्रोटीन का सेवन करने से शरीर में प्लाक जमा होने लगता है जो ब्लड सर्कुलेशन पर असर करता है। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी जानलेवा बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

हरड़: आयुर्वेद की चमत्कारी जड़ी-बूटी, जानिए इसके फायदे और नुकसान

यूनिक समय, नई दिल्ली। आयुर्वेद में हरड़ (हरितकी) को एक महत्वपूर्ण औषधि माना जाता है, जो कई बीमारियों के इलाज में फायदेमंद है। हाल के वर्षों में लोगों का रुझान आयुर्वेदिक उपचारों की ओर बढ़ा है, जिससे हरड़ की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। हालांकि, इसके अनियंत्रित सेवन से कुछ दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं।

हरड़ के प्रमुख गुण: पाचन तंत्र के लिए वरदान- हरड़ का सेवन कब्ज, एसिडिटी और अपच की समस्या को दूर करता है।

इम्यूनिटी बूस्टर : इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। **ब्लड शुगर कंट्रोल :** शोध बताते हैं कि हरड़ ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में सहायक होती है।

डिटॉक्सिफिकेशन में मददगार: यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में सहायक होती है।

बालों और त्वचा के लिए लाभकारी: हरड़ के सेवन से बालों का झड़ना कम होता है और त्वचा में निखार आता है।

मानसिक स्वास्थ्य में सुधार : यह तनाव को कम करने और याददाश्त को तेज करने में मदद करती है।

हरड़ के संभावित दुष्प्रभाव: अधिक सेवन से पेट में गैस और डायरिया की समस्या हो सकती है।

गर्भवती महिलाओं और बच्चों को इसे डॉक्टर की सलाह के बिना नहीं लेना चाहिए।

अत्यधिक मात्रा में लेने से शरीर में निर्जलीकरण हो सकता है। लो ब्लड प्रेशर वालों को इसके सेवन में सावधानी बरतनी चाहिए।

सुविचार

समय अनमोल है, इसे व्यर्थ न जाने दें।

कल का पंचांग

तिथि	षष्ठी	11:50-09:41 तक	पक्ष	शुक्ल
नक्षत्र	रोहिणी	08:49-07:02 तक	माह	चैत्र
सूर्योदय		6:11 AM	चन्द्रोदय	09:38 AM
सूर्यास्त		6:33 PM	चंद्रास्त	12:25 AM
सूर्य राशि		मीन राशि	चंद्र	मिथुन राशि
शुभ मुहूर्त अभिजीत		11:58 AM –12:47 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:42-05:30
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2082
राहुकाल		01:55PM–03:38PM	वार	गुरुवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

बनाना चाहते हैं अपने जीवन को सुखी और समृद्धशाली तो ध्यान रखें इन बातों का

यूनिक समय, मथुरा। शास्त्रों में पांच ऐसी बातें बताई गई हैं यदि उनका पालन किया जाए तो आप अपने जीवन को सुखमय बना सकते हैं।
आपकी सोई हुई किस्मत भी जाग जाती है। आगे जानिए कौन–से हैं वो 5 काम...

शास्त्रों में एकादशी व्रत को सभी व्रतों में श्रेष्ठ बताया गया है। एकादशी व्रत करने से अर्थ, काम व मोक्ष की प्राप्ति होती है। शास्त्रों के अनुसार जो हर एकादशी का व्रत नियमपूर्वक करता है, उसके ऊपर सदैव श्री हरि भगवान विष्णु की कृपा बनी रहती है। आपके जीवन के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं और जीवन खुशहाल बनता है।

श्रीमद्भागवत गीता का हर रोज पाठ करना बहुत शुभ रहता है। प्रतिदिन श्रीमद्भगवत गीता पढ़ने से जीवन की सभी समस्याओं का अंत होने लगता है क्योंकि यदि भगवतगीता सही से समझा जाए तो उसमें सभी समस्याओं का निवारण है। भगवदगीता का नियमित रूप से पाठ करने पर आपके ऊपर ईश्वर की कृपा बनी रहती है।

सनातन धर्म में तुलसी को बहुत पूजनीय और पवित्र माना गया है।

तुलसी भगवान विष्णु को प्रिय हैं इसलिए उन्हें हरिवल्लभा कहा जाता है। जिस घर में प्रतिदिन प्रातः और सांयकाल में तुलसी पूजन किया जाता है, उस घर में हमेशा सुख–समृद्धि बनी रहती है। तुलसी पूजन से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है, जिससे आपके घर में धन की किल्लत नहीं होती है।

सनातन धर्म में गाय को पूजनीय माना गया है। शास्त्रों के अनुसार गाय में 33 करोड़ देवी–देवताओं का वास होता है।

प्रतिदिन गाय की सेवा करने और भोजन कराने से देवी–देवाताओं की कृपा बनी रहती है। संतान प्राप्ति और धन प्राप्त के लिए गाय की सेवा करना बहुत ही शुभफलदायक माना जाता है।

शास्त्रों में कहा गया है कि मनुष्य को सदैव गरीब व जरूरतमंद लोगों की मदद करनी चाहिए। जो लोग निर्धनों की सहायता करते हैं और सदैव उनका सम्मान करते हैं, भगवान उनसे सदैव प्रसन्न रहते हैं। सदैव पुण्यकर्म करते रहने से आपके जीवन के कष्ट स्वयं ही दूर होने लगते हैं।

बहुत भरोसेमंद होते हैं इन चार राशि के लोग

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष शास्त्र में राशि चक्र में कुल 12 राशियां बताई गई हैं, जिनमें से इन 4 राशि वाले लोगों को बहुत ही विश्वासपात्र माना गया है। माना जाता है कि इन लोगों पर आंख मूंदकर विश्वास किया जा सकता है। ये लोग बहुत ही अच्छे दोस्त साबित होते हैं और समय पड़ने पर कभी भी धोखा नहीं देते हैं। आगे जानिए कौन–सी हैं वे राशियां...

कर्क राशि– इस राशि के लोग बहुत ही भावुक स्वभाव के होते हैं।
ये लोग जिससे भी जुड़े होते हैं, उसके साथ पूरी ईमानदारी के साथ रिश्ता निभाते हैं। ये लोग अपने रिश्ते बाखूबी निभाते हैं। इस राशि के लोगों पर आंख मूंदकर भरोसा किया जा सकता है। ये अच्छे मित्र साबित होते हैं।

तुला राशि– इस राशि के लोग दूसरों की भावनाओं की हमेशा कद्र करते हैं।
ये लोग अपने साथी के प्रति भी पूरी तरह ईमानदार रहते हैं साथ ही अपने साथ जुड़े लोगों का पूरा ध्यान रखते हैं। ये लोग विश्वासपात्र होते हैं। यदि इस राशि के लोग आपके मित्र हैं तो यह आपके लिए अच्छे दोस्त हैं।

वृश्चिक राशि– इस राशि दिल के बहुत नेक होते हैं। ये लोग हमेशा दूसरों की खुशी का पूरा ख्याल रखते हैं या कहा जा सकता है कि सभी में खुशियां बांटते हैं। इस राशि के लोगों पर विश्वास किया जा सकता है।

वृष राशि–वृष राशि के लोग विश्वासपात्र होते हैं। ये लोग जिससे लगाव रखते हैं, उसका पूरा ध्यान रखते हैं। ये बेहद ही शांत स्वभाव के होते हैं और किसी भी परेशानी में अपने प्रियजनों का हमेशा ख्याल रखते हैं। इन लोगों में किसी को धोखा देने की प्रवृत्ति नहीं होती है।

कर्ज से छुटकारा पाने के लिए करें ये उपाय

संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। लाल किताब में धन संबंधित समस्याओं से मुक्ति और धन प्राप्ति के लिए भी कई उपाय बताए गए हैं। आज हम आपको कर्ज मुक्ति और धन लाभ के कुछ उपायों के बारे में बता रहे हैं, जो इस प्रकार है...
यदि आप कर्ज से परेशान हैं और कई प्रयास करने के बाद भी कर्ज नहीं चुका पा रहे हैं तो रोज कौए को रोटी खिलाएं या दाना डालें। रात में सोने से पहले अपने पलंग के नीचे सिरहाने की ओर एक पात्र में जौं भरकर रख दें। सुबह उठकर यह जौं पशुओं को खिला दें या फिर दान कर दें। इससे आपके घर की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और कर्ज से छुटकारा मिलता है। यदि आपकी आमदनी के स्त्रोत खत्म हो गए हैं या फिर घर में धन के आवक में रुकावट आ रही है तो शुक्रवार को माता लक्ष्मी के सामने बैठकर कनकधारा स्त्रोत का पाठ करें। रोज अपने माथे पर केसर से तिलक करके घर से बाहर जाएं। इससे आपका भाग्य जाग्रत होगा और धन की आवक भी सुचारू रूप से होगी।य ादि व्यापार में घाटा हो रहा है तो शनिवार को बहते जल में अखरोट या नारियल प्रवाहित करें। इसके साथ ही घर के सभी सदस्यों को धरती पर बैठकर एक साथ भोजन करना चाहिए। इससे परिवार के सभी सदस्यों की तरक्की होती है और कार्यक्षेत्र की परेशानियां दूर होती हैं।

वास्तु टिप्स

यूनिक समय, मथुरा। घर से निकास के लिए दाईं ओर प्रवेश द्वार बनवाएं। घर में प्रवेश हेतु एक द्वार ही रखें। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के मुख्य द्वार पर 3 दरवाजे शुभ नहीं होते हैं। घर में प्रवेश हेतु उत्तर और पूर्व की दिशा बेहतर होती है। दक्षिण की दिशा में भूलकर भी द्वार न दें। इससे घर में नकारात्मक शक्ति का आगमन होता है। घर के बाहर उत्तर दिशा में गूलर, पाकड़ आदि वृक्ष न लगाएं। इससे नेत्र संबंधी बीमारियां उत्पन्न होती हैं। साथ ही घर में बेर, केला, पीपल और अनार के पेड़ भी न लगाएं। इससे घर की बरकत गायब हो जाती है।घर की उत्तर–पूर्व दिशा में बृहस्पति देव का वास होता है। इसके लिए इस दिशा में पूजा घर रखें। मंदिर में देवी–देवताओं का मुख पूर्व की दिशा में रखें।

अगर आपके घर में अक्सर होती है ये गलती, तो हो जाएंगे कंगाल

यूनिक समय, मथुरा। वास्तु को आमतौर पर दिशाओं का विज्ञान माना जाता है। सही दिशा में सही कर्म करने से व्यक्ति की दिशा बदल जाती है। वहीं इसके विपरीत काम करने से दुर्भाग्य बढ़ता है। वास्तुशास्त्र में किचन का अहम स्थान होता है। ज्योतिर्विद कमल नंदलाल बता रहे हैं कि किचन में की गई एक गलती आपकी गरीबी का कारण बन सकती है।

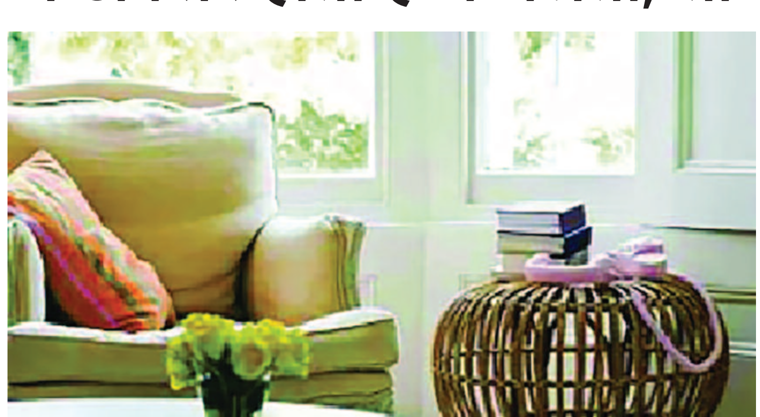

वास्तु के अनुसार पवित्रता और शुद्धता में ही ईश्वर का वास होता है। घर में रखा हुआ जूठन विशेष रूप से एक नकारात्मकता लेकर आता है। इसलिए कहा जाता है कि जूठे बर्तन भी गरीबी की कारण बन सकते हैं।

वास्तु के अनुसार, किचन घर के प्रमुख भाग में से एक है और सबसे ज्यादा वास्तु दोष किचन में ही होता है क्योंकि वहां सबसे ज्यादा तत्व मिलते हैं। किचन में जल, अग्नि, वायु ये सभी तत्व पाए जाते हैं।

किचन में रखे जूठे बर्तनों में अन्न के कुछ भाग होते हैं जिन्हें पृथ्वी का स्त्रोत माना जाता है। कई लोग किचन को इतना पवित्र मानते हैं कि इसके पास मंदिर भी बना लेते हैं जो कि गलत है। कुछ लोग रात के समय किचन में जूठे बर्तन रख देते हैं और इसे सुबह के समय धोते हैं। रात में पड़े जूठे बर्तनों का घर और घर के सदस्यों पर भी असर पड़ता है। ये आपकी गरीबी का कारण भी बन सकती है।

वास्तुशास्त्र के अनुसार अगर कोई व्यक्ति जूठे बर्तन नहीं धो पाता है, उसे सफलता में भी कई तरह की अड़चनें आती हैं। वास्तुशास्त्र में किचन में रखे साफ बर्तनों का बहुत महत्व माना जाता है।

रात में गंदे जूठे बर्तन रसोईघर में छोड़ देने पर उसमें कई तरह के बैक्टीरिया भी पनपने लगते हैं। इससे शारीरिक रूप से हानि होती है और मानसिक रूप से ये नकारात्मकता देती है। किचन में रखे जूठे बर्तन से वास्तुदोष उत्पन्न होता है, ये वास्तुदोष आग्नेय में उत्पन्न होता है। यानी कि हमारे बीच की जो अग्नि है वो कहीं ना कहीं दूषित हो जाती है। इसका प्रभाव घर के कमाने वाले सदस्य के जीवन पर पड़ता है। भारत के अधिकांश हिस्से में आटे का बहुत ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में जूठे चकला–बर्तन बहुत ज्यादा हानि देता है। कोई भी बर्तन अगर वो जूठा पड़ा है तो उसके अंदर जीवाणुओं की उत्पत्ति होने लगती है। इस वास्तुदोष के कारण घर में बीमारी होती है, घर के सदस्यों के बीच मन–मुटाव बढ़ता है और लक्ष्मी इस घर को छोड़ कर चली जाती है।

वहीं जिस घर में रात के जूठे बर्तन धोए जाते हैं, वहां लक्ष्मी का निवास होता है। ऐसी जगहों पर सबका आचरण अच्छा होता है। जिस घर में नियमित रूप से चकला और बेलन धोए जाते हैं, वहां से वास्तुदोष खत्म हो जाते हैं।

विशेष अनुरोध

प्रिय पाठकों आपका अपना यूनिक समय भरपूर कोशिश करता है कि आपके पास दिनभर की चर्चा, परिचर्चा, गतिविधियाँ और नवीनतम खबरें आप तक पहुँचाए, लेकिन फिर भी हमसे त्रुटि रह जाती हैं। आपसे अनुरोध है कि सुधि पाठक होने के नाते आप हमें अवगत कराते रहे, जिससे हम और बेहतर खबरें आपको पढ़ाते रहे। ....
धन्यवाद

यूपी में बदलेगा मौसम : मथुरा समेत इन जिलों में बारिश और वज्रपात की संभावना

आंधी–बारिश का अलर्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। मंगलवार को तेज धूप से लोग परेशान थे, लेकिन बुधवार को कई जिलों में बादल छाए रहे। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार से बृहस्पतिवार के बीच प्रयागराज, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, बलिया समेत कई इलाकों में गरज–चमक के साथ हल्की बूंदाबांदी हो सकती है।

मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, अगले 24 घंटों में यूपी के दक्षिणी और बुंदेलखंड के इलाकों में गरज–चमक के साथ हल्की बारिश और वज्रपात की संभावना है। इस दौरान 30–40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

इन जिलों में हो सकती है बारिश और वज्रपात : बूंदाबांदी और वज्रपात संभावित क्षेत्रः प्रयागराज, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत रविदास नगर, गाजीपुर, बलिया, कानपुर, मथुरा, हाथरस, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर आदि।

झोंकेदार हवाओं की संभावना वाले क्षेत्रः आगरा, इटावा, औरैया, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर, बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, सोनभद्र और मिर्जापुर।

क्या करें और क्या न करें?

तेज हवा और आंधी से बचने के लिए खुले स्थानों पर जाने से बचें।

पेड़ या कमजोर संरचनाओं के नीचे खड़े न हों।

वज्रपात के दौरान इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का कम से कम उपयोग करें।

मौसम की ताजा अपडेट के लिए स्थानीय प्रशासन की सलाह पर ध्यान दें।

सौरभ हत्याकांड में बड़ा अपडेट

14 दिन बढ़ाई गई साहिल और मुस्कान की न्यायिक हिरासत

एक–दूजे को देख हुए भावुक

यूनिक समय, मेरठ। सौरभ राजपूत की हत्या के मामले में जेल में बंद पत्नी मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल की आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में पेशी कराई गई। दोनों ही आरोपियों की न्यायिक हिरासत को बढ़ाया गया है।

मेरठ के चर्चित सौरभ राजपूत की हत्या के मामले में जेल में बंद पत्नी मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल की आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में पेशी कराई गई। दोनों हत्यारोपियों को 14–14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया था। जेल जाने के बाद दोनों आरोपियों की यह पहली पेशी हुई। आज पेशी के दौरान उनकी न्यायिक हिरासत को और बढ़ाया है। दोनों ही आरोपियों की जेल के भीतर से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पेशी कराई गई। एक ही कमरे में दोनों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा पेशी हुई। दोनों ही आरोपी 14 दिन बाद दोनों एक–दूजे से मिले और एक–दूसरे को देखा। बताया गया कि दोनों आरोपी एक–दूसरे को देखकर भावुक हो गए। बताया गया कि दोनों ही लगभग दो मिनट तक साथ रहे। हालांकि इस दौरान दोनों की आपस में दोनों के बीच कोई बात नहीं हुई। बता दें कि मुस्कान और साहिल सौरभ हत्याकांड के आरोपी हैं। मुस्कान ने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर लंदन से लौटे पति सौरभ की हत्या की। शव के टुकड़े कर एक नीले ड्रम में भरकर उसे सीमेंट से चिन दिया था। इसके बाद दोनों आरोपी ट्रिप पर हिमाचल चले गए। बताया गया कि अब अगली पेशी 15 अप्रैल को होगी।

जेल अधीक्षक डॉ विरेश राज शर्मा के अनुसार मुस्कान अपनी बेटी पीहू और परिवार से मिलने की बात कही है। वहीं, दूसरी ओर इस मामले की चार्जशीट भी तैयार हो गई है, जो जल्द दाखिल की जाएगी होगी। बताया जा रहा है कि मुस्कान अन्य महिलाओं के साथ जेल के अंदर धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा ले रही है, उसने सुंदरकांड का पाठ भी किया। वह सिलाई व कढ़ाई का कार्य सीख रही है जबकि साहिल ने बागबानी में रुचि दिखाई है।

अमेठी : भ्रष्टाचार के आरोप में जिला समाज कल्याण अधिकारी व बाबू निलंबित, केस दर्ज

यूनिक समय, अमेठी। अमेठी में भ्रष्टाचार के मामले में कड़ी कार्रवाई हुई है। जिला समाज कल्याण अधिकारी मनोज शुक्ल और बाबू गोकुल प्रसाद जायसवाल को निलंबित कर दिया गया है। गौरीगंज थाने में जिला समाज कल्याण अधिकारी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

मामला 10 मार्च को सामने आया था, जब बाबू गोकुल प्रसाद ने अधिकारी मनोज शुक्ल पर रिश्वतखोरी और प्रताड़ना का आरोप लगाया। जवाब में मनोज शुक्ल ने भी बाबू पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। मामला बढ़ने पर शासन ने उपनिदेशक राकेश रमन को जांच सौंपी।

जांच के बाद उपनिदेशक ने अपनी रिपोर्ट शासन को सौंपी, जिसके आधार पर निलंबन की कार्रवाई की गई। समाज कल्याण राज्यमंत्री असीम अरुण ने इस मामले में कठोर कदम उठाते हुए भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने की बात कही है।

झांसी में दिल दहलाने वाला मामला

किशोर ने दिव्यांग बच्चे को दांतों से कई बार काटा

यूनिक समय, ललितपुर। मां भावना ने चारपाई पर लेटे बेटे पर पड़ी हुई चादर को उठाया तो वह घायल मिला। उसके शरीर पर घाव थे, गुप्तांग कटा हुआ था। यह सब देखकर महिला ने शोर मचाना शुरू कर दिया।

उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले के थाना जखौरा के गांव बिनेका तोरण में दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक किशोर ने सात वर्षीय दिव्यांग बच्चे को अकेला पाकर उसके शरीर पर दांतों से जगह–जगह काटा। उसका गुप्तांग भी कटा हुआ था। परिजन जब घर पहुंचे तो बेटे की हालत देखकर चीख–पुकार मच गई। घायल को अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे झांसी रेफर किया गया। इस दौरान उसकी मौत हो गई।

गांव बिनेका तोरण निवासी छोटू राजा (7) पुत्र सुजान सिंह बचपन से दिव्यांग है। वह घर पर ही रहता था। मंगलवार की शाम को छोटू घर पर लेटा था। जबकि पिता खेत पर गया था। मां भावना बाड़े में मवेशियों को चारा रखने गई थी। जाते समय वह दरवाजा की कुंडी लगाकर गई थी। वापस लौटकर आई तो दरवाजा खुला हुआ था। अंदर पहुंची तो यहां पड़ोस के एक किशोर को मौजूद पाया। कारण पूछने पर आरोपी किशोर भावना को धक्का देकर भाग गया।

गुप्तांग भी था जख्मी... मौत

मां भावना ने चारपाई पर लेटे बेटे पर पड़ी हुई चादर को उठाया तो वह घायल मिला। उसके शरीर पर घाव थे, गुप्तांग काटा हुआ था। यह देखकर भावना ने चीख–पुकार मचाई। आवाज सुनकर मोहल्ले के लोग पहुंच गए। पिता भी सूचना पर आ गया। आनन–फानन घायल छोटू को मेडिकल कॉलेज लेकर आए।

यहां से मेडीकल कॉलेज झांसी रेफर कर दिया। झांसी में चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

सीएम योगी ने पढ़ाया अनुशासन का पाठ

ताजिया का साइज छोटा रखो, ताकि...

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाचार एजेंसी पीटीआई से बातचीत के दौरान प्रदेश के विकास और कानून व्यवस्था पर खुलकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि ताजिया का साइज छोटा रखने की जरूरत है ताकि यह हाई टेंशन लाइन की चपेट में न आए और किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कानून सभी के लिए समान है और नियमों का पालन करना आवश्यक है। कांवड़ यात्रा के दौरान भी डीजे के साइज को नियंत्रित करने की बात कही जाती है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश तेजी से आर्थिक प्रगति कर रहा है और 2030 तक यह देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। उनके अनुसार, जब भारत स्वतंत्र हुआ था, तब उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत के बराबर थी, लेकिन 2016–17 तक यह औसत से एक तिहाई तक गिर गई थी। उन्होंने बताया कि उनकी सरकार ने इसे दोगुना करने में सफलता पाई है और 2029–30 तक इसे देश की नंबर एक अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है।

सीएम योगी ने पिछली सरकारों की आलोचना करते हुए कहा कि 1947 से 2017 के बीच उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था केवल 12–12.5 लाख करोड़ रुपये तक ही सीमित रही, जबकि उनकी सरकार के आठ वर्षों में इसे 27.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने उन कार्यों को पूरा करने का प्रयास किया है जो पिछली सरकारें 70 वर्षों में भी नहीं कर पाईं। सीएम योगी ने कहा कि भारतीय परंपरा में धर्म को स्वार्थ से नहीं जोड़ा जाता। उन्होंने मुस्लिम समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें राज्य के विकास में उचित हिस्सा मिलेगा, लेकिन किसी भी विशेष रियायत की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि मुस्लिम आबादी उत्तर प्रदेश का 20% हिस्सा है, लेकिन सरकारी कल्याणकारी योजनाओं में उनकी हिस्सेदारी 35–40% है। साथ ही, मेरठ में सड़कों पर नमाज अदा करने के खिलाफ प्रशासनिक चेतावनी पर उन्होंने कहा कि सड़कें चलने के लिए होती हैं और अनुशासन का पालन सभी को करना चाहिए।

सीएम योगी ने वक्फ बोर्ड को लेकर कहा कि यह लूट–खसोट का अड्डा बन चुका है और मुसलमानों के कल्याण के लिए बहुत कम कार्य किए गए हैं। उन्होंने हिंदू मंदिरों और मठों द्वारा शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में दिए गए दान का उदाहरण देते हुए सवाल किया कि क्या वक्फ बोर्ड ने भी इसी तरह का कल्याणकारी कार्य किया है?

बुलडोजर मॉडल की वैधता पर सवाल उठाए जाने पर सीएम योगी ने कहा कि यह अब अन्य राज्यों में भी त्वरित न्याय के रूप में अपनाया जा रहा है। उन्होंने इसे उपलब्धि नहीं बल्कि समय की आवश्यकता बताया। उनका कहना था कि बुलडोजर का उपयोग बुनियादी ढांचे के निर्माण और अतिक्रमण हटाने के लिए किया जाता है।

रिवॉल्वर संग रील, रात में बना 'हीरो', सुबह पहुंचा थाने!

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ के ठाकुरगंज में घंटा घर क्लाक टॉवर के पास रिवॉल्वर लेकर रील बना रहे युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वह सलमान खान की एक्टिंग कर रहा था।

लखनऊ के ठाकुरगंज के घंटा घर क्लॉक टावर के पास मंगलवार रात डेढ़ बजे रिवॉल्वर लेकर रील बना रहे सआदतगंज के चौपटिया निवासी आजम अंसारी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

इंस्पेक्टर श्रीकांत राय ने बताया कि आजम अंसारी अभिनेता सलमान खान की एक्टिंग करते हुए कमर में अपना लाइसेंसी रिवाल्वर लगा कर रील बना रहा था। जिससे मौके पर काफी भीड़ इकट्ठा हो गई और सड़क पर जाम लग गया।

विरोध करने पर आरोपी राहगीरों से झगड़ा भी कर रहा था। पुलिस ने आजम का लाइसेंसी रिवाल्वर जब्त कर उसके खिलाफ शांति भंग करने के आरोप में कार्रवाई की है।

सार संक्षेप

बांदा रेप कांड : एक और आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। बांदा के चर्चित रेप कांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली। पुलिस ने नवीन विश्वकर्मा के बाद एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। तीन रईसजादों पर नौकरी का झांसा देकर रेप और अश्लील वीडियो बनाने का आरोप है।

नीतीश कटारा हत्या मामला : दोषी ने मांगी जमानत

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नीतीश कटारा हत्या मामले के दोषी विशाल यादव की अंतरिम जमानत याचिका पर एम्स के मेडिकल बोर्ड से रिपोर्ट मांगी।

गुजरात पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग, अब तक 21 की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। गुजरात के बनासकांठा में पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से 21 लोगों की मौत। मध्य प्रदेश सरकार ने मृतकों के परिजनों को 1 लाख और घायलों को 50,000 की सहायता देने की घोषणा की।

दिल्ली दंगे : कपिल मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज

यूनिक समय, नई दिल्ली। 2020 दिल्ली दंगों में भूमिका को लेकर अदालत के आदेश पर बीजेपी मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज। आप विधायक उनके इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

म्यांमार में भारतीय चिकित्सा टीम की तैनाती

यूनिक समय, नई दिल्ली। भूकंप प्रभावित म्यांमार में भारतीय सेना का फील्ड अस्पताल स्थापित। भारतीय चिकित्सा दल राहत सेवाएं दे रहा है।

लालू यादव की तबीयत बिगड़ी

यूनिक समय, नई दिल्ली। आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव का ब्लड शुगर बढ़ा। डॉक्टरों ने दिल्ली जाने की सलाह दी।

यूपी में वक्फ बिल के विरोध को लेकर अलर्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। संभावित विरोध को देखते हुए यूपी में पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द। लखनऊ समेत संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ाई गई।

महाराष्ट्र में भीषण सड़क हादसा, 5 लोगों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के शेगांव खामगांव हाईवे पर हुए ट्रिपल एक्सीडेंट में 5 लोगों की मौत हो गई है। निजी यात्री बस, एसटी बस और बोलेरो का भीषण एक्सीडेंट हुआ है। आज सुबह एक तेज रफ्तार बोलेरो कार एसटी बस से टकरा गई और पीछे से आ रही एक निजी यात्री बस इन दुर्घटनाग्रस्त वाहनों से टकरा गई। इस भयानक हादसे में 5 लोगों की मौत जबकि 24 लोग घायल बताए जा रहे हैं।

लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल पर चर्चा जारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल पेश कर दिया गया है। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने इस बिल को लोकसभा में पेश किया। इस बिल पर चर्चा के लिए 8 घंटे का समय रखा गया है लेकिन सरकार ने कहा है कि अगर सदन की सहमति होगी तो चर्चा का वक्त बढ़ाया भी जा सकता है। सरकार की तरफ से आज ही चर्चा का जवाब भी दिया जाएगा। इससे पहले सत्तारूढ़ दल बीजेपी ने अपने सभी सांसदों के लिए व्हिप जारी कर आज सदन में मौजूद रहने को कहा था। इसी तरह से टीडीपी, जेडीयू, आरएलडी ने अपने सांसदों को व्हिप जारी कर दिया है। उधर वक्फ बिल का विरोध करने के लिए विपक्ष भी लामबंद है।

वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने मथुरा में कहा, 'जब में उत्तर प्रदेश में मंत्री था, तब वक्फ विभाग मेरे पास था। वहां 90% मुकदमे के सिवाय कुछ नहीं है। मथुरा में जितने वक्फ हैं, उसमें समाज के लिए कोई काम हो रहा है? एक जमीन पर कई मुकदमे हैं जिसका निदान होना चाहिए। गरीबों को इससे कोई फायदा नहीं पहुंच रहा है। आज वक्फ पर बड़े लोगों का कब्जा है।'

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर केंद्र सरकार से प्रस्तावित वक्फ विधेयक 2024 को पूरी तरह वापस लेने का आग्रह किया।

कल्याण बनर्जी ने कहा कि वक्फ की संपत्ति मुस्लिमों के लिए बैकबोन है। वक्फ संशोधन बिल के जरिए बदलाव इस्लामिक परंपराओं और संस्कृति को लेकर गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यह मुस्लिमों के अधिकारों को छिनने का प्रयास है

टीएमसी के कल्याण बनर्जी ने किया विरोध

जो असंवैधानिक है। कल्याण बनर्जी ने एक-एक क्लॉज का जिक्र किया और यह समझाने की कोशिश की कि किस तरह से यह संविधान का उल्लंघन है।

टीएमसी के सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि सरकार यह बिल लाकर गलत कदम उठा रही है। यह अल्पसंख्यक समुदायों के लिए ठीक नहीं है। सरकार को इस बिल को वापस लेना चाहिए। टीएमसी वक्फ संशोधन बिल का पुरजोर विरोध करती है।

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी संपत्ति है। मुतवल्ली उसको मैनेज करता है। वक्फ की संपत्ति के नाम पर लूट हो और हम बस चुपचाप देखते रहें। केरल का क्रिश्चियन समाज क्यों चाहता है कि वक्फ बिल जल्दी लागू हो.. जरा इस पर भी विचार कीजिए।

ये केवल भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं। पुराने कानून में बोर्ड में दो महिलाओं को रखने, विधवा और तलाकशुदा महिलाओं को लेकर प्रावधान है। लेकिन ये लोग नए बिल के नाम पर केवल भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं। इनकी मंशा कुछ और है। एक विशेष समाज की जमीन पर इनकी नजर है। कल दूसरे समुदायों की जमीन पर नजर जाएगी।

चंडीगढ़ के डीजीपी सुरेंद्र सिंह यादव का हुआ ट्रांसफर

यूनिक समय, नई दिल्ली। चंडीगढ़ के डीजीपी सुरेंद्र सिंह यादव का ट्रांसफर कर दिया गया है। आईजी राजकुमार सिंह ही डीजीपी का कार्यभार फिलहाल संभालेंगे। बता दें कि अफसरों के बीच हो रहे खींचतान को इसके पीछे का असल वजह बताया जा रहा है।

चंडीगढ़ में पुलिस विभाग में चल रहे खींचतान को लेकर मंगलवार को डीजीपी सुरेंद्र यादव का ट्रांसफर कर दिया। दरअसल यहां डीजीपी सुरेंद्र सिंह यादव और अन्य अधिकारियों के बीच लंबे समय से खींचतान चल रहा था। इस कारण गृह मंत्रालय ने उनका ट्रांसफर कर दिया है। बता दें कि सुरेंद्र सिंह

आईजी राजकुमार सिंह संभालेंगे कार्यभार,

अफसरों के बीच खीचतान बनी वजह

यादव को बीएसएफ में डेप्युटेशन पर उन्हें डीआईजी के पद पर नियुक्त किया गया है। नए आदेश आने तक चंडीगढ़ के आईजी राजकुमार सिंह ही डीजीपी का कार्यभार संभालेंगे। दरअसल जब से सुरेंद्र सिंह यादव ने चंडीगढ़ के डीजीपी का कार्यभार संभाला था, तब से वह चर्चा में बने हुए हैं। शुरुआत में जब वो चंडीगढ़ में बतौर डीजीपी नियुक्त हुए तो उन्होंने बड़े पैमाने पर पुलिस कर्मचारियों के ट्रांसफर किए थे। इसके बाद वह लगातार अपने फैसलों को लेकर चर्चा में बने रहते थे। कुछ दिन पहले ही एक सब इंस्पेक्टर को उन्होंने थाना प्रभारी लगाकर सभी को चौंका दिया। इसके बाद उन्होंने सख्त लहजे में लोगों से कहा था कि अगर थाना प्रभारी ठीक ढंग से काम नहीं करेंगे तो उनके स्थान पर सब इंस्पेक्टरों को एसएचओ बनने का मौका दिया जाएगा। इसके बाद ही अन्य पुलिस अधिकारियों और डीसीपी सुरेंद्र सिंह यादव के बीच लगातार खींचतान चल रहा था।

मालगाड़ियों की हुई थी भीषण टक्कर

रिटायरमेंट के दिन आखिरी यात्रा में लोको पायलट की हुई मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। झारखंड के साहेबगंज जिले में दो मालगाड़ियों के बीच टक्कर में दो लोको पायलटों की मौत हुई है। इनमें से एक लोको पायलट 1 अप्रैल यानी हादसे वाले दिन ही रिटायर होने वाले थे।

झारखंड के साहेबगंज जिले में मंगलवार को भीषण रेल हादसा देखने को मिला था। यहां सुबह तड़के दो मालगाड़ियों की भीषण टक्कर हो गई थी जिसमें दो लोको पायलटों की मौत हो गई थी। दरअसल, एक खाली मालगाड़ी को कोयले से लदी मालगाड़ी ने टक्कर मार दी। इस कारण मालगाड़ी के इंजन में आग लग गई। अब इस हादसे से जुड़ी एक दर्दनाक बात सामने आई है। दरअसल, साहेबगंज रेल हादसे में जिन लोको पायलटों की मौत हुई उनमें से एक सोमवार को रिटायर होने वाले थे। झारखंड के साहेबगंज में दो मालगाड़ियों के बीच टक्कर में लोको पायलट गंगेश्वर मल की मौत हो गई। वह एक अप्रैल को ही नौकरी से रिटायर होने वाले थे और सेवा में रहने के दौरान उनकी अंतिम यात्रा थी। जानकारी के मुताबिक, लोको पायलट के पूरे परिवार ने रिटायरमेंट के दिन साथ में रात्रि भोज करने की प्लानिंग की थी। हालांकि, अब उनके पास केवल यादें और आंसू हैं। मृतक लोको पायलट गंगेश्वर मल का परिवार पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में जियागंज में रहता है। परिवार के मुताबिक, लोको पायलट ने काम से लौटने के बाद रात का खाना साथ में खाने का वादा

किया था। लोको पायलट की बेटी ने बताया- "एक अप्रैल उनके पिता का आखिरी कार्य दिवस था। उन्होंने अपनी पत्नी, बेटे और बेटी के साथ अच्छा समय बिताने की योजना बनाई थी। 'हमने सुना कि बाबा (पिता) वापसी में सिग्नल प्वाइंट पर इंतजार कर रहे थे, तभी विपरीत दिशा से आ रही एक अन्य मालगाड़ी के इंजन ने उनके इंजन को सामने से टक्कर मार दी।''जानकारी के मुताबिक, मंगलवार को तड़के तीन बजे के करीब एनटीपीसी द्वारा संचालित दो मालगाड़ियां साहिबगंज के बरहेट थाना क्षेत्र के भोगनाडीह के पास टकरा गईं। ये मालगाड़ियां फरक्का में थर्मल पावर प्लांट में कोयला ले जा रही थीं। आमने-सामने की टक्कर में दोनों मालगाड़ियों के चालकों की मौत हो गई। पूर्वी रेलवे के प्रवक्ता कौशिक मित्रा ने बताया- "यह घटना एनटीपीसी के बुनियादी ढांचे से जुड़ी है। मालगाड़ियां और पटरियां एनटीपीसी की हैं। इसका भारतीय रेलवे से कोई लेना-देना नहीं है।

अखिलेश की टिप्पणी पर अमित शाह ने ली चुटकी

आप 20-25 साल और अध्यक्ष रहेंगे...

यूनिक समय, नई दिल्ली। लोकसभा में बुधवार को वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया गया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इसे सदन के पटल पर रखा। इसके बाद कांग्रेस की ओर गौरव गोगोई, फिर भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद और फिर अखिलेश यादव ने चर्चा में हिस्सा लिया।

लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक (उम्मीद एक्ट) पर चर्चा के दौरान समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच हंसी-मजाक के अंदाज में आरोप-प्रत्यारोप दिखाई दिया।

दरअसल, वक्फ बिल पर बोलते हुए अखिलेश ने भारतीय जनता पार्टी के नए अध्यक्ष के चुनाव में देरी को लेकर तंज कसा। इस पर परिवारवाद का जिक्र कर पलटवार करते हुए शाह ने अखिलेश से कहा कि आप तो 25 साल तक अपनी पार्टी के अध्यक्ष बने रहेंगे, हमें कार्यकर्ताओं में से चुनना है, इसलिए समय लग रहा है।

उन्होंने कहा कि ये दावा करते हैं कि ये दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है, पर ये इतने दिनों से अपना अध्यक्ष नहीं चुन पा रहे हैं। इस पर सदन हंसी ठहाकों से गूं उठा। इस बीच अमित शाह ने कहा कि अखिलेश जी ने हंसते हुए यह बात कही है, इसलिए मैं भी हंसते हुए ही जवाब देना चाहूंगा। उन्होंने कहा कि आपको तो परिवार के ही कुछ सदस्यों में से अध्यक्ष चुनना होता है, पर हमें अपने करोड़ों पंजीकृत सदस्यों में से लोकतांत्रिक तरीके से अध्यक्ष का चुनाव करना होता है। इसलिए हमें थोड़ा समय लगता है।

वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि जो पार्टी खुद को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी कहती है, वह अभी तक अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं चुन पाई है।

इस पर गृह मंत्री अमित शाह ने चुटकी लेते हुए कहा कि मेरे सामने जितनी भी पार्टियां हैं, उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव कुछ परिवार के लोग ही करेंगे। हमें 12-13 करोड़ सदस्यों में से प्रक्रिया के बाद चुनना है। इसलिए इसमें समय लगता है। आपके मामले में तो ज्यादा समय नहीं लगेगा। मैं तो कह रहा हूं कि आप 25 साल तक अध्यक्ष बने रहेंगे।' अमित शाह की टिप्पणी पर अखिलेश यादव भी मुस्कुराते हुए नजर आए।

पुंछ में माइन ब्लास्ट के बाद पाकिस्तानी सैनिकों ने की गोलीबारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। पाक सेना ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में कृष्णा घाटी सेक्टर में संघर्ष विराम का उल्लंघन किया है। भारत ने भी पाकिस्तान की हरकत का करारा जवाब दिया है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के कृष्णा घाटी सेक्टर में पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन करते हुए भारतीय चौकियों पर गोलीबारी की है। मंगलवार को हुई इस नापाक हरकत का भारतीय सेना ने भी करारा जवाब दिया है। भारतीय सैनिकों की जवाबी कार्रवाई के चलते पाकिस्तान को भारी नुकसान झेलना पड़ा है। क्षेत्र में हाल ही में आतंकी घटनाओं में वृद्धि के बाद नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा दोनों पर स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। बढ़ते खतरे को देखते हुए सेना ने सतर्कता बढ़ा दी है।

भारतीय सेना की तरफ से कहा गया है कि नियंत्रण रेखा के पार पाकिस्तानी सेना की घुसपैठ के कारण कृष्णा घाटी सेक्टर में माइन ब्लास्ट हुआ। इसके बाद पाकिस्तानी सेना ने बिना उकसावे के गोलीबारी की और संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। पाकिस्तानी सेना की तरफ से की गई गोलीबारी का भारतीय सैनिकों ने प्रभावी ढंग से जवाब दिया है। फिलहाल, स्थिति नियंत्रण में है और कड़ी निगरानी रखी जा रही है। भारतीय सेना ने कहा

भारतीय सेना ने दिया माकूल जवाब

है कि वह नियंत्रण रेखा पर शांति बनाए रखने के लिए 2021 के डीजीएसएमओ समझौते को महत्व देती है। नियंत्रण रेखा पर इस घटना के बाद भारतीय सेना पूरी तरह से सतर्क है। सेना को इलाके में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। सेना के अधिकारी लगातार घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं और किसी भी तरह की घुसपैठ या हमले की कोशिश को नाकाम करने के लिए तैनात हैं। पुंछ के कृष्णा घाटी सेक्टर को पहले भी कई बार संघर्ष विराम की स्थिति बनी है। पाकिस्तान की ओर से लगातार इस तरह की हरकतें की जाती रही हैं, जिनका भारतीय सेना हर बार मुंहतोड़ जवाब देती है। पाकिस्तान ने इसी साल फरवरी में भी भारत से लगती नियंत्रण रेखा पर बिना किसी कारण गोलीबारी की थी। पाकिस्तान की ओर से बिना उकसावे के की गई गोलीबारी का भारतीय सेना ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया था, जिसमें काफी संख्या में पाकिस्तानी सैनिक हताहत हुए थे।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय :- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। फोन नंबर-0565-2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053